धनबाद, शनिवार
19 सितंबर 2026
वर्ष : 03 अंक : 349
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

# ट्रूथ पथ

## ब्रीफ न्यूज

### प्रधानमंत्री शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले के दौरान विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित भी करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जाएगा। इस दौरान नियुक्त होने वाले युवा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं।

सरकार के अनुसार, रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें देश के विकास में अधिक भागीदारी का अवसर देने की दिशा में निरंतर प्रयास का हिस्सा है। 20वें रोजगार मेले के साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में अब तक करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके होंगे।

### पंजाबः अमृतसर में ड्यूटी पर तैनात एएसआई की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़, (एजेंसी) : पंजाब के अमृतसर में बीती रात अज्ञात हथियारबंद युवकों ने ड्यूटी पर तैनात एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब ढाई बजे की है, जब थाना गेट हकीमां में तैनात एएसआई हरजीत सिंह गश्त पर थे। पंजाब पुलिस महानिदेशक ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। घटना की जिम्मेदारी आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान ने ली है लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

जानकारी के अनुसार पंजाब के तरनतारन निवासी एएसआई हरजीत सिंह गेट हकीमा पुलिस स्टेशन में तैनात थे। गुरुवार रात करीब 2:30 से 3 बजे के बीच वह दाना मंडी इलाके में पुलिस ड्यूटी पर थे। इसी दौरान बाइक पर आए दो हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया और फायरिंग कर फरार हो गए। **शेष पृष्ठ-4....**

### परंपरा और आधुनिकता में संतुलन बनाकर सांस्कृतिक विरासत को बचाना जरूरीः उपराष्ट्रपति

मुंबई, (एजेंसी) : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि विकास की राह पर आगे बढ़ते हुए परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। आधुनिक बुनियादी ढांचे, तकनीक और आर्थिक विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूत जुड़ाव बनाए रखना ही विकसित भारत की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भाषा, कला, परंपराओं और मूल्यों का संरक्षण विकास का अहम हिस्सा होना चाहिए। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन शुक्रवार को श्री गणेश कला-क्रीड़ा रंगमंच, स्वारगेट में पुणे फेस्टिवल के 38वें संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। राधाकृष्णन ने कहा कि पुणे महाराष्ट्र की संस्कृतिक राजधानी है। पुणे फेस्टिवल ने कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य, साहित्य, खेल और पर्यटन को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। अलग-अलग देशों के कलाकारों, पर्यटकों, प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों की भागीदारी से संस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष के

# संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उज्जैन में युवा धर्म संसद 2026 का किया शुभारंभ

उज्जैन, (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत अपने उज्जैन प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को गीता भवन में आयोजित युवा धर्म संसद-2026 में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। गीतकार मनोज मुंतशिर भी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

सेवाज्ञ संस्थानम् की ओर से सिद्धपीठ हनुमत निवास अयोध्या के पीठाधीश्वर एवं संरक्षक आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरणजी महाराज के मार्गदर्शन में 17 से 19 सितंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से करीब 1,700 युवा छात्र-छात्राएं शामिल होने पहुंचे हैं। दूसरे दिन करीब 300 विद्वान, शिक्षक, शोधकर्ता और धमार्चार्य भी कार्यक्रम का हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 सितंबर को समापन सत्र में शामिल होंगे।

दूसरे दिन शुक्रवार सुबह 10 बजे युवा धर्म संसद का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर सरसंघचालक डॉ. भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि जब मैंने 'युवा धर्म संसद' के बारे में सुना तो मुझे खुशी हुई कि युवा धर्म के बारे में सोच रहे हैं। आजकल ऐसी बातें सुनने को कम ही मिलती हैं। जब भी धर्म की बात होती है तो लोग कहते हैं कि यह बुढ़ापे की चीज है।उन्होंने कहा कि गीता और रामायण को रिटायरमेंट के बाद पढ़ने वाली किताबें माना जाता है लेकिन असल में ऐसा नहीं है। धर्म तो जीवन की शुरूआत से लेकर अंत तक बना रहता है और सब कुछ उसी के अनुसार चलता है। आप इसमें यकीन करें या न करें, कुछ चीजें नियमों से चलती हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अहंकार में आकर काम करता है और सोचता है कि सब कुछ उसके कंट्रोल में है और उसकी मजी .से होना चाहिए, तो उसे गलतफहमी हो जाती है कि चीजें वैसी ही होंगी जैसा वह चाहता है। लेकिन असल में ऐसा नहीं होता।

फिलहाल, कार्यक्रम जारी है। उद्घाटन समारोह में सेवाज्ञ संस्थानम् के आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण महाराज, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी और सेवाज्ञ संस्थानम् के अध्यक्ष आशीष कुमार आशु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ह्यधर्म की अस्तित्वपरक अवधारणा एवं चारित्रिक उत्तरदायित्वह्ल विषय पर व्याख्यान सत्र होगा। इसमें आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, गीतकार मनोज मुंतशिर, प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, स्मृति अनंतलक्ष्मी और जे. नंदकुमार विचार रखेंगे।

# सीसीएल में सीपीआरएमएसई-एनई पोर्टल 2.0 का हुआ शुभारंभ

रांची, (एजेंसी) : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके आश्रितों के लिए मेडिकल बिल जमा करने और उस-की स्थिति ट्रैक करने की प्रक्रिया अब आसान हो गई है। सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने 10 सितंबर 2026 को दरभंगा हाउस, रांची स्थित मंथन सभागार में सीपीआरएमएसई-एनई पोर्टल 2.0 का शुभारंभ किया।इस अवसर पर सीसीएल के महाप्रबंधक, सीसी एंड पीआर आलोक कुमार ने कहा कि पोर्टल से सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके आश्रितों को बेहतर, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल में संस्था की प्रगति में योगदान दिया है, इसलिए सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें सम्मानजनक और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराना संस्था की जिम्मेदारी है।

मौके पर सीसीएल के सीएमडी ने कहा कि पोर्टल सीसीएल की टीम ने इन-हाउस विकसित किया है। इसके माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मियों को मेडिकल उपचार के बाद प्रतिपूर्ति के लिए जरूरी दस्तावेज जमा करने के लिए कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी। वे अपने सीपीआरएमएसई में पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से कहीं से भी ऑनलाइन दस्तावेज जमा कर सकेंगे।मेडिकल दावों की प्रक्रिया में पीआरबी, सीएमएस/मेडिकल और फाईनांस जैसे विभिन्न विभाग शामिल होते हैं। पोर्टल के जरिए इन विभागों के बीच दावों का इलेक्ट्रॉनिक संचालन संभव होगा। इससे लाभार्थियों को अपने दावे की स्थिति की जानकारी आसानी से मिल सकेगी और विभागीय स्तर पर भी दावों की निगरानी एवं प्रक्रिया पूरी करने में सुविधा होगी।

पोर्टल लॉन्च के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, सीवीओ पंकज कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

# मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन अस्पताल में भर्ती

## सांस लेने में तकलीफ के बाद रांची के अस्पताल में कराया गया भर्ती, हालत स्थिर

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को उन्हें रांची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुबह सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। अस्पताल के निदेशक डॉ. नितेश प्रिया के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम उनका इलाज कर रही है।रांची स्थित हिल व्यू अस्पताल के डॉ. नितेश प्रिया ने शुक्रवार को बताया कि रूपी सोरेन की हालत फिलहाल स्थिर है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेडिसिन विशेषज्ञ और आईसीयू की टीम उनकी निगरानी और उपचार में जुटी है।डॉ. प्रिया के अनुसार, रूपी सोरेन पेट संबंधी समस्या से भी जूझ रही हैं और इसका इलाज हैदराबाद में चल रहा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाल ही में अपनी मां को इलाज के लिए हैदराबाद लेकर गए थे और दो दिन पहले ही वहां से रांची लौटे हैं।उन्होंने बताया कि सांस लेने में परेशानी के कारणों का पता लगाने के लिए कई चिकित्सकीय जांच कराई जा रही हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सांस संबंधी समस्या के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।चिकित्सकों के अनुसार, फिलहाल रूपी सोरेन की स्थिति में सुधार है और चिंता की कोई बात नहीं है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है।

# मध्य प्रदेश के कूनो से आई खुशखबरी, भारत में जन्मी मादा चीता ने दिए 4 शावकों को जन्म

भोपाल, (एजेंसी) : मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से प्रोजेक्ट चीता के चार साल पूरे होने के एक दिन बाद शुक्रवार को खुशखबरी आई है। भारत में जन्मी मादा चीता केजीपी-12 ने चार शावकों को जन्म दिया है, जिसके बाद कूनो में चीतों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है और इनमें 37 चीते भारत में जन्मे हैं।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में भारत में जन्मी मादा चीता केजीपी-12 ने शुक्रवार को चार शावकों को जन्म दिया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने इसे प्रोजेक्ट चीता के लिए खास और महत्वपूर्ण पल बताते हुए चीता संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके को ह्लचार साल, चार नए जीवनह्व बताया। उन्होंने कहा कि चार नए शावकों का जन्म भारत में चीता संरक्षण की बढ़ती सफलता और इसके लिए किए जा रहे दृढ़ संकल्प का अच्छा प्रतीक है। शावकों के जन्म की जानकारी कूनो राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने भी दी है।चार नए शावकों के जन्म के बाद कूनो में चीतों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। इनमें 37 चीते भारत में जन्मे हैं। केजीपी12 का जन्म भारत में ही हुआ था और अब उसी का शावकों को जन्म देना प्रोजेक्ट चीता के लिए खास महत्व रखता है। वन विभाग और प्रोजेक्ट चीता से जुड़े विशेषज्ञों के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे भारत में जन्मे चीतों के प्राकृतिक रूप से प्रजनन करने की प्रक्रिया आगे बढ़ने का संकेत मिला है। कूनो में चीतों की संख्या बढ़ाने और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के प्रयासों के बीच चार नए शावकों का जन्म वन्यजीव प्रेमियों के लिए भी बड़ी खुशखबरी है। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस अवसर पर कूनो और प्रोजेक्ट चीता से जुड़े पूरे परिवार को बधाई दी। चार नए शावकों के जन्म के साथ कूनो में चल रहे चीता संरक्षण अभियान की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। बता दें कि करीब चार महीने पहले इसी मादा चीता के चार शावकों की कूनो नेशनल पार्क में मौत हो गई थी। इन शावकों का जन्म 11 अप्रैल 2026 को हुआ था और मौत के समय वे करीब एक महीने के थे। टीम ने इन शावकों को 11 मई की शाम आखिरी बार जीवित देखा था। इसके अगले दिन 12 मई 2026 को उनके शव कूनो नेशनल पार्क में मिले थे। वन विभाग के मुताबिक, शावकों के शव आंशिक रूप से खाए हुए मिले थे। विभाग ने किसी जंगली जानवर के शिकार की आशंका जताई थी। इस घटना में मादा चीता पूरी तरह सुरक्षित थी। अब उसी मादा चीता ने एक बार फिर चार शावकों को जन्म दिया है। इससे कूनो में चीता प्रजनन और भारत में जन्मी चीता आबादी के विस्तार को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो में चार नए शावकों के जन्म पर खुशी जताई। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के साथ-साथ प्रोजेक्ट चीता की सफलता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में चीता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कूनो नेशनल पार्क की टीम और प्रोजेक्ट चीता से जुड़े सभी लोगों को इस सुखद अवसर पर बधाई दी।

# अंतरजिला बाइक चोरी गिरोह का भंडाफोड़, आठ आरोपित गिरफ्तार, चोरी की 19 बाइक बरामद

खूंटी, (एजेंसी) : खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र में अंतरजिला बाइक चोरी कर फर्जी नंबर प्लेट के जरिए खरीद-बिक्री करने वाले संगठित गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से चोरी की 19 बाइक, एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप, आठ मोबाइल फोन और दो मास्टर चाबी बरामद की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गिरोह के कुछ सदस्य चोरी की बाइक में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उनकी खरीद-बिक्री के लिए एकत्र हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने सायको और अड़की थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुरुदयाल मुंडा उर्फ पनसउ मुंडा (26), इसरायल पूर्ति (24), मनमसीह पूर्ति उर्फ डेरो (19), मसीह मुंडा (19), मोहन लोहार (32), एतवा मुंडा (19), समराय होरो (26) और जयराम मुंडा उर्फ जावरा के रूप में हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरोह के सदस्य चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उनकी खरीद-बिक्री करते थे। बरामद 19 बाइकों के संबंध में पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। इनके वास्तविक मालिकों और चोरी की घटनाओं का भी पता लगाया जा रहा है।

इस संबंध में सायको थाना में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

छापेमारी टीम में एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा, खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, सायको थाना प्रभारी प्रभात रंजन पाण्डेय, अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी, मारंगहादा थाना प्रभारी जुगेश सिंह, कुचाई थाना प्रभारी रविन्द्र मुंडा, एसआई मुकेश कुमार और मंटु कुमार सहित सायको थाना सैट बल के हवलदार भुनेश्वर उरांव, आरक्षी धर्मेंद्र भगत तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे।

# विमला प्रधान का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : आदित्य साहू

रांची, (एजेंसी) : झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री विमला प्रधान के निधन पर भाजपा प्रदेश के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उनके निधन को पार्टी और झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिंतकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने विमला प्रधान के निधन को अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक बतलाया है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को ही अस्पताल जाकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी और उनके परिजनों से मुलाकात की। उनके निधन का समाचार सुनकर विश्वास नहीं हो रहा है। विमला प्रधान का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहकर विमला प्रधान ने समाज और प्रदेश की सेवा की। विमला प्रधान का निधन पार्टी के लिए एक बड़ी क्षति है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और जनसेवा के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

भाजपा संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि विमला प्रधान का निधन पार्टी के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया। पार्टी और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा एवं समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा।

इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, चम्पाई सोरेन, मधु कोड़ा, राष्ट्रीय मंत्री डॉ प्रदीप कुमार वर्मा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं संजय सेठ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, रवींद्र कुमार राय, दिनेशानंद गोस्वामी एवं यदुनाथ पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा सहित सभी सांसदों, विधायकों व अन्य नेताओं एवं कार्यकताओं ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

## संक्षिप्त खबरें

### झपकी आने से पेड़ से टकराया चावल लदा ट्रक, चालक की मौत

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी) : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा-चक्रधरपुर मुख्य मार्ग पर कुंदरुहातू के समीप शुक्रवार तड़के हुए सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि खलासी घायल हो गया। हादसा तडके सुबह करीब 3.30 बजे हुआ।

मृतक चालक की पहचान सुकू मुंडा (40) के रूप में हुई है। घायल खलासी नामजन बरला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, सुकू मुंडा नगड़ी स्थित एक राइस मिल से चावल लादकर जगन्नाथपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुंदरुहातू के पास अचानक ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित आम के पेड़ से जोरदार टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक को झपकी आने के कारण हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के चालक और खलासी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।दुर्घटना की जानकारी मिलने पर मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने सुकू मुंडा की जांच के दौरान उनके सिर और छाती में गंभीर चोट पाई। उपचार के दौरान कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। वहीं, नामजन बरला के सिर में चोट लगी है और उसका इलाज अस्पताल में जारी है।हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन और ट्रक मालिक भी सदर अस्पताल पहुंचे। सुकू मुंडा की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने दुर्घटना को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है और दुर्घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

### समस्या के समाधान के लिए लोगों को कार्यालयों में ना लगाना पड़े चक्कर : ऋतुराज

रामगढ़, (एजेंसी) : रामगढ़ जिला समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने बारी-बारी से अपनी समस्याएं और शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने आमजनों की फरियाद को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित मामलों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनता दरबार में सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, विक्टिम कंपनसेशन स्कीम, जाति प्रमाण पत्र, अबुआ आवास योजना, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज एवं दखल-दिहानी, मुआवजा, रोजगार और नाली निर्माण सहित विभिन्न जनसमस्याओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन की निष्पक्ष और गंभीरतापूर्वक जांच करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आम नागरिकों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान और पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि लोगों को समय पर राहत और न्याय मिल सके।

### खेलो झारखंड में घाघरा और अनिगड़ा के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

खूंटी , (एजेंसी) : प्रखंड संसाधन केंद्र, खूंटी के तत्वावधान में शुक्रवार को बिरसा कॉलेज के मैदान में प्रखंड स्तरीय ह्यखेलो झारखंडह्ल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-15 बालक और अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी, बिरसा कॉलेज की प्राचार्य पुष्पा सुरीन, खेल पदाधिकारी राजकुमार गुप्ता, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार राम, सीआरपी एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए पढ़ाई के साथ खेलों में भी निरंतर प्रयास करने की बात कही। इसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर और कबड्डी प्रतियोगिता की सीटी बजाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, लंबी कूद, ऊंची कूद, भाला फेंक और 100, 200, 400 और 800 मीटर दौड़ सहित विभिन्न स्पधार्एं हुईं।

समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रखंड प्रमुख छोट राय मुंडा, जिला परिषद सदस्य सुशील कुमार सहित अन्य अतिथियों ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत किया। राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय घाघरा और राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय अनिगड़ा के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। आयोजन में शारीरिक शिक्षक रियाज आलम सहित अन्य शिक्षकों का योगदान रहा।

### बाल श्रम से जुड़े मामलों में अविलंब कार्रवाई करें अधिकारी : उपायुक्त

खूंटी (एजेंसी) : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को सामाजिक सुरक्षा एवं बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और बाल संरक्षण से जुड़े कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।उपायुक्त ने वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के पात्र लाभुकों को समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के साथ शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

# डीसी ने नवोदय विद्यालय के प्रचार्य सहित कई शिक्षकों के वेतन पर लगाई रोक

रामगढ़, (एजेंसी) : अभिभावकों से लगातार मिल रही शिकायतों के बीच उपायुक्त ऋतुराज ने शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, पतरातू का औचक निर-ीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक और आवासीय व्यवस्थाओं की हकीकत परखी।

निरीक्षण के दौरान कई स्तरों पर अनियमितताएं और व्यवस्थागत कमियां सामने आने पर उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने और 15 दिनों के भीतर व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया।

निरीक्षण में उपस्थिति पंजी के अनुसार कई शिक्षक विद्यालय में मौजूद नहीं मिले। वहीं प्राचार्य की ओर से आगामी दिनों की उपस्थिति भी पहले से दर्ज किए जाने का मामला सामने आया। उपायुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया।

मेडिकल सेंटर में भी स्टाफ नर्स उपस्थिति दर्ज होने के बावजूद

कार्यस्थल से अनुपस्थित मिली। बताया गया कि निरीक्षण के दौरान सुबह 11.30 बजे उनके कार्यस्थल पर पहुंचने की बात सामने आई। मे-डिकल सेंटर की स्टॉक पंजी भी अद्यतन नहीं मिली। उपायुक्त ने संबंधित कर्मी से स्पष्टीकरण मांगते हुए जांच के निर्देश दिए।

खेल शिक्षक भी अनुपस्थित पाए गए और खेल कक्ष में आवश्यक उपकरणों की कमी मिली। खेल मैदान में विद्यार्थियों के बांस से बने गोल पोस्ट का उपयोग किए जाने पर उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को खेल सुविधाओं में सुधार के निर्देश दिया। वहीं मेस में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिली और स्टॉक पंजी भी अपडेट नहीं थी। हॉस्टल के निरीक्षण में भी सफाई व्यवस्था में कमी सामने आई। कई शौचालयों में पानी की समस्या या खराब होने की शिकायत विद्यार्थियों ने बताई। उपायुक्त ने प्राचार्य को सभी व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण कर तत्काल सुधार कराने का निर्देश दिया।

आधारभूत संरचना की समीक्षा में फाउंटेन निर्माण कार्य छह माह से बंद पाया गया। उपायुक्त ने निर्माण से जुड़े सभी दस्तावेज, पंजी और अभिलेख तलब किए, ताकि कार्य में विलंब के कारणों और प्रगति की जांच की जा सके। पुस्तकालय में बुक इश्यू रजिस्टर का संधारण भी व्यवस्थित नहीं मिला।

निरीक्षण के दौरान कई शिक्षकों के जींस और टी-शर्ट में विद्यालय आने का मामला सामने आया। उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को निर्धारित ड्रेस कोड और विद्यालयी अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने विद्यार्थियों से भोजन की गुणवत्ता, रात में पढ़ाई के लिए सुविधाएं, चिकित्सा व्यवस्था सहित अन्य समस्याओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने प्राचार्य को त्वरित समाधान का निर्देश दिया। साथ ही विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग, बोर्ड परीक्षा की तैयारी, नियमित अध्ययन और समय प्रबंधन को लेकर मार्गदर्शन दिया।औचक निरीक्षण में सामने आए तथ्यों के आधार पर उपायुक्त ने कहा कि अभिभावकों की कई शिकायतें प्रथम दृष्टया सही पाई गई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर समाहर्ता, रामगढ़ की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है। समिति विद्यालय की विभिन्न शिकायतों और अनियमितताओं की विस्तृत जांच करेगी।

उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन को 15 दिनों के भीतर व्यवस्थाओं में स्पष्ट सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर आवासीय सुविधा, स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, समुचित चिकित्सा सुविधा और आवश्यक खेल एवं शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना विद्यालय प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

वहीं निरीक्षण में सामने आई अनियमितताओं के आलोक में उपायुक्त ने प्राचार्य और सभी संबंधित शिक्षकों के वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। साथ ही प्राचार्य के कार्य प्रदर्शन को देखते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को शिक्षा मंत्रालय को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजने का निर्देश दिया गया।

# प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा ने जलाए आशीर्वाद के दीये

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा की ओर से चलाए जा रहे ह्यसेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार और शुक्रवार को जमशेदपुर महानगर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय में महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में ह्यआशीर्वाद का दीयाह्ल कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम में सांसद विद्युत वरण महतो समेत पार्टी के जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय रंग-

बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा।

कार्यक्रम के तहत पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व सांसद आभा महतो और महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकताओं ने अपने-अपने आवास पर भी दीप जलाए।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स-ार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन, राष्ट्रहित और जनकल्याण के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रगति, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।

महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री का जन्मदिन उत्सव के बजाय सेवा और संकल्प के अवसर के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत जरूरतमंद और वंचित लोगों तक पहुंचकर सेवा कार्य किए जाएंगे। आने वाले दिनों में जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों में भी सेवा कार्यक्रम आयोजित होंगे।

### हाथियों के झुंड ने रौंदी धान की फसल, ग्रामीणों में दहशत

खूंटी , (एजेंसी) : कर्रा प्रखंड क्षेत्र में कई जंगली हाथियों के झुंड के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उड़ीकेल पंचायत के ईंटे बगीचा क्षेत्र में हाथियों का झुंड पिछले करीब 30 घंटे से जमा है। हालांकि, अब तक हाथियों ने किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन गारी और नगड़ा गांव के किसानों के खेतों में लगी धान की फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया है। इससे किसानों को फसल नुकसान की चिंता सताने लगी है।

करीब एक दर्जन हाथियों के क्षेत्र में होने की सूचना मिलने के बाद कर्रा वन क्षेत्र पदाधिकारी राकेश कुमार ने क्षेत्र का भ्रमण कर हाथियों की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल हाथियों का झुंड गारी और नगड़ा गांव के बीच जंगल में मौजूद है। उन्होंने ग्रामीणों से हाथियों के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ग्रामीणों को घरों में हंडिया, दारू या अन्य मादक पदार्थ न रखने की सलाह देते हुए कहा कि शराब की गंध हाथियों को आकर्षित कर सकती है।इधर, ग्रामीण हाथियों को गांव की ओर आने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। जिला परिषद सदस्य जोरोंग आईंद और उड़ीकेल मुखिया क्षत्रि हेमरोम ने भी ग्रामीणों से सतर्क रहने और हाथियों को परेशान नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हाथियों को जबरन भगाने के बजाय उनके निकलने के लिए सुरक्षित रास्ता देना जरूरी है।जोरोंग आईंद ने प्रशासन और वन विभाग से ग्रामीणों के बीच टॉर्च, मशाल और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है। कर्रा और रनिया वन क्षेत्र के वनपाल एवं वनकर्मी लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। वन विभाग का प्रयास है कि हाथियों के झुंड को सुरक्षित तरीके से आबादी वाले क्षेत्र से दूर पहुंचाया जाए। वन विभाग और पंचायत प्रतिनिधि स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

### हाथियों के झुंड ने रौंदी धान की फसल, ग्रामीणों में दहशत

खूंटी , (एजेंसी) : कर्रा प्रखंड क्षेत्र में कई जंगली हाथियों के झुंड के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उड़ीकेल पंचायत के ईंटे बगीचा क्षेत्र में हाथियों का झुंड पिछले करीब 30 घंटे से जमा है। हालांकि, अब तक हाथियों ने किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन गारी और नगड़ा गांव के किसानों के खेतों में लगी धान की फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया है। इससे किसानों को फसल नुकसान की चिंता सताने लगी है।

करीब एक दर्जन हाथियों के क्षेत्र में होने की सूचना मिलने के बाद कर्रा वन क्षेत्र पदाधिकारी राकेश कुमार ने क्षेत्र का भ्रमण कर हाथियों की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल हाथियों का झुंड गारी और नगड़ा गांव के बीच जंगल में मौजूद है। उन्होंने ग्रामीणों से हाथियों के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ग्रामीणों को घरों में हंडिया, दारू या अन्य मादक पदार्थ न रखने की सलाह देते हुए कहा कि शराब की गंध हाथियों को आकर्षित कर सकती है।इधर, ग्रामीण हाथियों को गांव की ओर आने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। जिला परिषद सदस्य जोरोंग आईंद और उड़ीकेल मुखिया क्षत्रि हेमरोम ने भी ग्रामीणों से सतर्क रहने और हाथियों को परेशान नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हाथियों को जबरन भगाने के बजाय उनके निकलने के लिए सुरक्षित रास्ता देना जरूरी है।जोरोंग आईंद ने प्रशासन और वन विभाग से ग्रामीणों के बीच टॉर्च, मशाल और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है। कर्रा और रनिया वन क्षेत्र के वनपाल एवं वनकर्मी लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। वन विभाग का प्रयास है कि हाथियों के झुंड को सुरक्षित तरीके से आबादी वाले क्षेत्र से दूर पहुंचाया जाए। वन विभाग और पंचायत प्रतिनिधि स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

# निष्कपटता और सहजता ही आर्जव धर्म की पहचान : मुनिश्री शुभानंद

रामगढ़, (एजेंसी) : रामगढ़ में दसलक्षण महापर्व के तीसरे दिन शुक्रवार को शहर के में रोड स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर और रांची रोड स्थित श्री पारसनाथ जिनालय में 'उत्तम आर्जव धर्म' की आराधना श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ हुई। परम पूज्य अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्यश्री 108 वसुनंदी जी महा-राज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री 105 दिव्यानंद जी महा-राज ससंघ के मंगल सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भगवान का जलाभिषेक, शांतिधारा एवं विधिवत पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

जैन समाज के अध्यक्ष राजेन्द्र चूड़ीवाल ने बताया कि दसलक्षण महापर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म की आराधना की जाती है। आर्जव धर्म मन, वचन और कर्म

में एकरूपता रखते हुए कपट, बनावट और दिखावे का त्याग कर सरल, सहज एवं निष्कपट जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज ने उत्तम आर्जव धर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्रद्धालुओं से जीवन में सरलता, सहजता और निष्कपटता अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मन में कुछ और, वाणी में कुछ और एवं व्यवहार में कुछ और रखना जीवन में विसंगति पैदा करता है। आर्जव धर्म व्यक्ति को मन, वचन और कर्म में समानता स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

पाण्डुशिला पर विराजमान भगवान पार्श्वनाथ जी की अष्टधातु प्रतिमा पर जलाभिषेक और शांतिधारा के पुण्यार्जक जीवनमल जैन, जंबू कुमार, अभिजीत, अमित पाटनी परिवार एवं समस्त पाटनी परिवार रहे, जबकि, तीनों वेदियों पर विराजमान बड़ी प्रतिमाओं पर जलाभिषेक मांगीलाल जैन, मनोज, अशोक, अरुण, आयुष, पीयूष चूड़ीवाल परिवार, इंद्रमणि देवी चूड़ीवाल परिवार तथा राजेंद्र, राजेश एवं प्रतीक चूड़ीवाल परिवार ने किया।

रांची रोड स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय में भी जलाभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन भक्तिभाव के साथ हुआ। प्रथम अभिषेक के पुण्यार्जक शिखर चंद (संतोष) बज भरेच नगर और शांतिधारा की पुण्यार्जक सरोज पहाड़िया ने की। उक्त कार्यक्रम की जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

# टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव को कानूनी रूप से अमान्य बताया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति के बाद पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव को लेकर टाटा ट्रस्ट्स ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए इसे कानूनी रूप से अमान्य बताया है। ट्रस्ट्स के अनुसार, चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को टाटा संस के बोर्ड को स्पष्ट रूप से सूचित किया था कि वह 20 फरवरी 2027 को वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद अगले कार्यकाल के लिए स्वयं को प्रस्तुत नहीं करेंगे। ट्रस्ट्स ने अगले ही दिन उनके निर्णय को स्वीकार करते हुए उत्तराधिकारी के चयन के

TATA TRUSTS

लिए एसोसिएशन के अनुच्छेदों के अनुरूप चयन समिति गठित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की सलाह दी थी। 17 सितंबर को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल एन. टाटा ने इसी रुख को दोहराते हुए पुनर्नियुक्ति प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, जबकि चार निदेशकों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। टाटा ट्रस्ट्स का कहना है कि एसोसिएशन के अनुच्छेदों के तहत चेयरमैन की नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया के लिए ट्रस्ट्स द्वारा नामित निदेशकों की आवश्यक सहमति जरूरी है और नोएल एन. टाटा के विरोध में मतदान करने के कारण यह प्रस्ताव कानूनी रूप से वैध नहीं है। नोएल एन. टाटा ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. डी.वाई. चंद्रचूड़ की कानूनी राय भी बोर्ड के समक्ष रखी। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रशेखरन के निदेशक पद की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है, क्योंकि निदेशक पद पर निर्णय के लिए बुलाई गई आम बैठक पर्याप्त गणपूर्ति नहीं होने के कारण स्थगित हो चुकी है। नोएल एन. टाटा के अनुसार, चेयरमैन पद की नियुक्ति और कंपनी की नियामकीय जरूरतों को अलग-अलग देखा जाना चाहिए तथा नेतृत्व परिवर्तन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस और पूरे टाटा समूह के दीर्घकालिक हितों में व्यवस्थित और समयबद्ध नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

### टिनप्लेट डिवीजन के विस्तार प्रोजेक्ट में हुई दुर्घटना में एक मजदूर की मौत, दो घायल

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : टाटा स्टील के टिनप्लेट डिवीजन में शुक्रवार को निमार्णाधीन विस्तार प्रोजेक्ट के दौरान हुए हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर घायल हो गए। घायलों को तत्काल टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) ले जाया गया, जहां एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे सीसीयू में इलाज के लिए रखा गया है।

मृतक की पहचान बागबेड़ा के सीपी टोला निवासी संजय शर्मा (42) के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक टिनप्लेट डिवीजन के विस्तार प्रोजेक्ट के तहत एक बड़ी बाउंड्री का निर्माण कराया जा रहा है। शुक्रवार की शाम बाउंड्री के समीप मिट्टी भराई का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक हुए हादसे में मजदूर गड्ढे में गिर गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सहकर्मियों और अन्य लोगों की मदद से मजदूरों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन एक मजदूर की जान नहीं बचाई जा सकी।

इस घटना को लेकर कंपनी प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि करीब एक सप्ताह के भीतर टिनप्लेट के इसी विस्तार प्रोजेक्ट में यह दूसरी बड़ी दुर्घटना है। इससे पहले 11 सितंबर को भी एक 26 वर्षीय कर्मचारी की हादसे में मौत हुई थी।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

# हर्षो उल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा पूजा की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयलांचल क्षेत्र में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा पूजा हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनायी गयी. केदला नगर, लईयो, गोसी, दुरुकसमार, परसाबेड़ा, झा-रखंड पंद्रह नंबर, इचाकडीह, बसंतपुर, परेज और प्रेमनगर समेत विभिन्न क्षेत्रों में वाहन मालिकों ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा से सुख-समृद्धि और कारोबार में उन्नति की कामना की.

विश्वकर्मा पूजा को लेकर क्षेत्र के वाहन मालिकों में खासा उत्साह देखा गया. कई स्थानों पर वाहनों और गैराजों को सजाया गया था.

सीसीएल परियोजनाओं में भी हुई पूजा

सीसीएल की तापिन, परेज, झा-रखंड, केदला उत्खनन परियोजना, केदला भूगर्भ परियोजना और केदला बसंतपुर वाशरी में भी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गयी. इस दौरान सीसीएल प्रबंधन की ओर से भगवान विश्वकर्मा से परियोजनाओं में सुख-समृद्धि और कार्यों में सफलता की कामना की गयी.

विश्वकर्मा पूजा को लेकर सीसीएल प्रबंधन की ओर से विभिन्न स्थानों पर आवश्यक व्यवस्था की गयी थी. वहीं, पूजा के अवसर पर क्षेत्र के कई स्थानों पर भक्ति कार्यक्रम भी आयोजित किये गये, जिसमें स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया.

कतरास। बीसीसीएल गोविन्दपुर एरिया 3 महाप्रबंधक कार्यालय में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाई गई। मौके पर अपर महाप्रबंधक सह पूजा समिति के संरक्षक दीपक कुमार सिंह, सह संरक्षक संदीप कुमार मरांडी, बीसीसीएल महिला कल्याण समिति की सदस्या रेखा कुमारी, अध्यक्ष फूलचंद दसौंधी, प्रभारी अशोक सिंह, सचिव अर्जुन बरही, सह प्रभारी श्याम सुंदर पाण्डेय, उपाध्यक्ष महावीर गोराई, कोषाध्यक्ष शुभम तिवारी, सह कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार मिश्रा, सह सचिव सावित्री कुमारी, राजेश मिश्रा,इंद्रदेव नोनिया, उमेश कुमार पासवान, रंजीत मजूमदार, रामचंद्र यादव, अरूप घोष, बिहारीजी सिंह, लखनलाल दसौंधी, संदीप भुईया, दीपक रजवार और रूमा बाई आदि मौजूद थे।

कतरास। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल गुरुवार को विश्वकर्मा पूजा पर गो-विंदपुर एरिया 3 के न्यू आकाशकिनारी कोलियरी के ओसीपी परियोजना पहुंचकर भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की। उन्होंने बीसीसीएल की उन्नति की कामना की।गोविंदपुर एरिया 3 के महाप्रबंधक सत्यकाम आनंद ने उन्हें गुलदस्ता एवं शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। क्षेत्रीय प्रबंधक वित्त यशवंत सिंह ने निदेशक वित्त को बुके देखकर सम्मानित किया। मौके पर निदेशक वित्त राजेश कुमार, निदेशक तकनीकी राजीव कुमार सिन्हा, कार्यकारी निदेशक आनंद कुमार, महाप्रबंधक सत्यकाम आनंद, परियोजना पदाधिकारी अर-विंद कुमार झा, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक यशवंत सिंह, प्रबंधक अमित कुमार, इंजीनियर इंचार्ज रवि वर्मा, चंद्रिका प्रसाद सिंह, किरण कुमार, पांडेय,दिनेश ठाकुर, नुनूमणिसिंह आदि उपस्थित थे। पूजा अर्चना के बाद सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल गोविंदपुर एरिया के महाप्रबंधक सत्यकाम आनंद से स-रक्षा के साथ उत्पादन बढ़ाने पर चर्चा की।



पुटकी। केंदुआ,मुनीडीह क्षेत्र में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाया गया। कुसुंडा क्षेत्र, पुटकी बलिहारी, पश्चिमी झरिया क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित विश्वकर्मा पूजा में बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल पहुंचे और भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की। मुनीडीह पूजा समिति के तत्वावधान में मुनीडीह परियोजना परिसर में भगवान विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से संपन्न हुई। पूजा समारोह में शामिल होने बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल,डीटी (पीएंडपी) राजीव कुमार सिन्हा, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार मुनिडीह पहुंचे।अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर परियोजना की प्रगति, सुरक्षा, समृद्धि और कर्मचारियों के सुख-स्वास्थ्य की कामना की। मौके पर जीएम (ईएंडएम) राजीव रंजन कर्ण, जीएम (सीएसआर) सुरेंद्र भूषण, पश्चिमी झरिया क्षेत्र के महाप्रबंधक वी विजय कुमार, अपर महाप्रबंधक सुनील कुमार पांजा, परियोजना पदाधिकारी डॉ. सन्नी राव, परियोजना प्रबंधक वरुण मुखोपाध्याय, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक राजेश कुमार, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी विद्या शंकर बर्णवाल, कोलियरी अभियंता मनीष कुमार, वाशरी परियोजना पदाधिकारी मुकेश भींचर और एमएनजी राणा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में पूजा समिति के सचिव सीताराम राउत, सुरेश सिंह, मनमोहन सिंह सहित समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक टू एरिया एबीओसीपी के 14 नंबर हाजिरी घर परिसर में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा की विधिवत पूजा-अर्चना कर संस्थान की उन्नति और कामगारों की सुख-समृद्धि व सुरक्षा की कामना की। इस मौके पर पूजा समिति के मजदूरों ने सीएमडी, ड-ीटी, डीएफ एवं ईडी को अंगवस्त्र देकर भव्य स्वागत किया। पूजा के उपरांत सीएमडी ने माइंस का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से कोयला उत्पादन और वर्तमान कार्यप्रणाली का जायजा लिया तथा उत्पादन व डिस्पैच में तेजी लाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीटी राजीव सिन्हा, डीएफ राजेश कुमार सिंह, ईडी श्रीआनंद, जीएम कुमार रंजीव, एजीएम पीएसके सिन्हा, मैनेजर सुरेश प्रजापति, इंजीनियर इंचार्ज प्रताप चंद्र साहू और विद्युत एवं यांत्रिक प्रबंधक आलोक कुमार उपस्थित थे. वहीं श्रमिक प्रतिनिधि मुरारी पांडेय, अरशद हुसैन, शंकर महतो, संतोष दास, सुरेश चौहान, इंदल कुमार, ज्ञानी जैल सिंह, सुरेंद्र यादव सहित कई अधिकारी व कामगार मौजूद रहे।

कतरास। आर्य व्यायामशाला एवं योग मंदिर ट्रस्ट कतरास में गुरुवार को विश्वकर्मा पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। सुबह नौ बजे पंडित पिंटू पांडे ने विधि-विधान के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कराई। शाम पांच बजे से प्रसाद भोजन का आयोजन हुआ। संध्या आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच पूड़ी, बुंदिया और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया।पूजा कार्यक्रम के दौरान कतरास में लगातार हो रही भू-धंसान की घटनाओं पर चिंता और दुख जताया गया। सदस्यों ने कहा कि भू-धंसान से लगातार लोगों के आशियाने और जनजीवन प्रभावित हो रहे हैं। कतरास के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सभी को एकजुट होकर आगे की लड़ाई लड़ने की जरूरत है। इस दौरान क्षेत्र की समस्याओं को लेकर आगे की रणनीति पर विचारवि मर्श किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कुमार झा ने बीसीसीएल के प्रस्तावित मेगा प्रोजेक्ट और पुनर्वास नीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए उसके संभावित प्रभावों का विश्लेषण किया। उन्होंने कतरास के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति तैयार करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के महासचिव गुरु जी दुगार्राम, डॉ. उमाशंकर सिंह, डॉ. स्वतंत्र कुमार, वार्ड एक की पार्षद मधुमाला , वार्ड पांच की पार्षद निरुपमा देवी, पूर्व पार्षद हरिप्रसाद अग्रवाल, वरीय अधिवक्ता दीप नारायण भट्टाचार्य, मंडल समाज के गौतम मंडल, कतरास चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज गुप्ता, सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष किशोरी गुप्ता, अधिवक्ता अवधेश गुप्ता, अशोक लाल, विनय कृष्णा गुप्ता, कतरास बाजार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष उदय वर्मा, नवदीप गुप्ता, चुन्ना यादव, बबलू बर्मन, राजू सिंह, आनंद गुप्ता, प्रेस क्लब कतरास के महासचिव विनय वर्मा, पत्रकार उमेश श्रीवास्तव, सोहन विश्वकर्मा, जितेंद्र पासवान, सुमन सिंह, सुधीर सुमन, अमर प्रसाद, सकलदेव प्रमाणिक, ट्रस्ट के सचिव रणधीर बर्मन, कोषाध्यक्ष अभय बर्मन, संगठन सचिव दीपक गुप्ता, दयानंद रवानी, विक्की रवानी, आयुष गुप्ता, अंकुश विश्वकर्मा, अजय महतो, राजेश गुप्ता, चंदन बर्मन सहित ट्रस्ट के दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### संगिनी कौशल केंद्र का उद्घाटन

धनबाद। पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष प्रिया मिश्र द्वारा महिलाओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेलवे ऑडिटोरियम, धनबाद परिसर में संगिनी कौशल केंद्रह्व का उद्घाटन किया गया । हर महिला, सशक्त महिलाह्व की भावना के अनुरूप स्थापित यह केंद्र महिलाओं को विभिन्न प्रकार के कौशल सीखने एवं अपनी प्रतिभा को विकसित करने के लिए एक उपयोगी मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, हुनर एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा उन्हें बेहतर अवसरों से जोड़ना है। पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल द्वारा समय-समय पर महिला कल्याण एवं सशक्तीकरण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संगिनी कौशल केंद्र इसी सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मंडल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की उपाध्यक्षा मृणालिनी, अल्पना झा, सचिव मीनाक्षी, सीमा सहित संगठन की अन्य सदस्याएं उपस्थित थी।

### आशीर्वाद का दीया जलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु जीवन की कामना की गई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत धनबाद विधायक राज सिन्हा ने आईआईटी आ-ईएसएम के मुख्य द्वार के सामने आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री जी के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सफल जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि झारखंड की वर्षों पुरानी मांग को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2016 में आईएसएम को आईटीआई का दर्जा मिला। इससे झारखंड के युवाओं के लिए उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा, शोध और नवाचार के नए अवसरों के द्वार खुले। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं को आईआईटी जैसी विश्वस्तरीय शिक्षा और बेहतर अवसरों से जोड़ने वाली इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं सादर आभार। इसके बाद विधायक श्री सिन्हा ने पाण्डरपाला दास बस्ती, भूली तथा मनईटांड मंडल अंतर्गत बेलदार बस्ती में आम लोगों के साथ दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया। इस दौरान स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं में काफी उत्साह देखने को मिला। इस दौरान लोगों ने उत्साहपूर्वक मोदी जी जुगजु ग जियोह्व के नारे लगाए। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि सेवा, शिक्षा और संकल्प के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आगे बढ़ते भारत का संकल्प है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हुल्लास दास, मनोज गुप्ता, इंद्रभूषण कुशवाहा, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, अमित सिंह, मनोज रिंकू सिन्हा, भागीरथ दास, दिलीप सिंह, दीपक गुप्ता, सुमन सिंह, किशोर मंडल, राजकुमार मंडल, जगबंधु मंडल, दिवेश सिंह, रीना साव, विभा रानी सिंह, जीराखान सिंह, प्रमोद अग्रवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

## सतत विकास के लिए डेटा की भूमिका महत्वपूर्ण : मोइनक मैती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आईआईटी आईएसएम धनबाद में सतत विकास, नवाचार एवं व्यवसाय में प्रगति पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुक्रवार को शुरूआत हुई। प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। इस अवसर ने दो दिनों तक चलने वाले सार्थक संवाद, ज्ञान-विनिमय तथा सहयोगात्मक विचार-विमर्श की शुरूआत को चिह्नित किया। उद्घाटन सत्र में संयोजक प्रो. हिमांशु गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। इसके पश्चात प्रो. के ओझा, तथा प्रो. संदीप मंडल, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियांत्रि-की विभाग ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि प्रो. मोइनक मैती, विट्स विश्वविद्यालय, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका ने सतत विकास को आगे बढ़ाने में डेटा की महत्वपूर्ण भूमिका

पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सूचना और इंटरनेट के इस युग में, जब हम सतत विकास की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से हम डाटा की बात करते हैं। उन्होंने आज के सूचना-प्रधान युग में डेटा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सतत विकास, नवाचार और तथ्य-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया में डेटा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो. तपन कुमार सरकार, प्रोफेसर ऑफ फाइनेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। अपने संबोधन में उन्होंने समकालीन युग की जटिल चुनौतियों के समाधान एवं पुनर्विचार के लिए अंतर्विषयक दृष्टिकोण की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विविध क्षेत्रों के ज्ञान एवं दृष्टिकोण को एक साथ लाकर ही सार्थक और सतत समाधान विकसित किए जा सकते हैं। अतिथियों के संबोधन के पश्चात मंचासीन गणमान्य अतिथियों द्वारा सम्मेलन पुस्तिका का विमोचन किया गया। सत्र का समापन सहसं योजक प्रो. शशांक बंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने प्रतिष्ठित वक्ताओं, संकाय सदस्यों, शोधकताओं, प्रतिभागियों तथा आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग जगत एवं शोधकताओं को एक साझा मंच पर लाकर सतत विकास, जिम्मेदार व्यवसाय तथा नवाचार-आधारित भविष्य के निर्माण की दिशा में सार्थक संवाद और नवीन मार्गों को प्रोत्साहित करना है।

## धनबाद में मोदी के जन्मदिन पर युवा कांग्रेस का अनोखा विरोध, पकौड़े तले व चाय बेची

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर भाजपा ने ह्यसेवा संकल्प अभियान का कांग्रेसियों ने अनोखे तरीके से विरोधशुरू किया। धनबाद जिला युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष मो. जुबेर तबरेज खान के नेतृत्व में युवाओं ने बकरी चराकर, पकौड़े तलकर और चाय बेचकर केंद्र सरकार की रोजगार नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष कुमार गौरव उपस्थित रहे। कुमार गौरव ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस ने पूरे देश में मेरी डिग्री का क्या? मुहिम की शुरूआत की है। आज देश में 50 लाख से भी अधिक सरकारी पद रिक्त पड़े हैं। लगभग 38 करोड़ से अधिक युवा इन नियुक्तियों के लिए आवेदन कर चुके हैं। इसके बावजूद केंद्र सरकार रोजगार देने के बजाय ध्यान भटकाने का काम कर रही है। अब देश का युवा जाग चुका है। जल्द इन रिक्त पदों पर बहाली नहीं की गई तो युवा कांग्रेस प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने से पीछे नहीं हटेगी। मो जुबेर ने कहा कि राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के माध्यम से हम सरकार को यह याद दिलाना चाहते हैं कि आज देश का पढ़ा-लिखा और डिग्रीधारक युवा सड़कों पर पकौड़े बेचने और मजदूरी करने को मजबूर है।

## बीसीसीएल में राजभाषा पखवाड़ा में हिंदी मसौदा, पत्र व निबंध लेखन प्रतियोगिता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में बीसीसीएल मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रों में 14 से 28 सितम्बर तक राजभाषा पखवाड़ा- 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कोयला भवन मुख्यालय में हिंदीतर एवं हिंदी भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी मसौदा, पत्र एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के 50 से अधिक कार्मिकों ने भाग लिया तथा अपनी हिंदी अभिरुचि, भाषाई दक्षता एवं लेखन कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत कविवर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ की गई। तत्पश्चात उनके जीवन एवं साहित्यिक योगदान पर एक संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया और प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक (श्रमशक्ति एवं नियोजन) अर्पण घोष ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिंदी में कार्य करना सरलता, सहजता और आत्मीयता प्रदान करता है तथा यही कारण है कि इसे संपर्क भाषा भी कहा जाता है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दायित्व है कि वे अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें और इसे गर्व तथा आत्मसम्मान की भाषा के रूप में स्वीकार करें। उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में 14 से 28 सितम्बर तक आयोजित किए जा रहे राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत कोयला भवन मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रों में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े का समापन 28 सितम्बर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जिसमें न केवल विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा बल्कि हिंदी विषय में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को भी विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर वरीय प्रबंधक (सेल्स एंड मार्केटिंग) देवकुमार वर्मा, प्रबंधक (मानव संसाधन) मनीष साहू, प्रबंधक (मानव संसाधन/जनसंपर्क) प्रणव कुमार ओझा, वरीय अधिकारी (मानव संसाधन/राजभाषा) सुश्री सुमेधा भारती, अनुवादक (राजभाषा) अनिरुद्ध नोनिया, श्रीमती वंदना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# एआईआरएफ और रेलवे बोर्ड की बैठक संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रेलवे बोर्ड के साथ एआईआरएफ का स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक हुई । रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सहित कई विभागों के सर्वोच्च पदाधिकारी इस बैठक में उपस्थित रहे। रेल कर्मचारियों के सबसे बड़े फेडरेशन एआईआरएफ के महामंत्री साथी शिव गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में समस्त जोन से फेडरेशन के अनुषंगी यूनियन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा और धनबाद मंडल के मीडिया प्रभारी एन के खवास में संयुक्त बयान जारी कर कहा कि इस बैठक में पूर्व मध्य रेलवे जोन से ईसीआरकेयू के महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव शामिल हुए । राष्ट्रीय स्तर पर रेलकर्मियों की विभिन्न समस्याओं को चर्चा कर समाधान की मांग उठाई गई। लंबित यात्रा भत्ता का मुद्दा बैठक में पूरी तरह गूंजा जिसमें बताया गया कि यात्रा भत्ता बंद होने से रेलकर्मियों मे काफी रोष है। साथ ही साथ अभी भी कई विभागों में रेलवे बोर्ड आदेश संख्या -155/2022 का लागू नहीं किया जा

सका है । रेलवे को सबसे ज्यादा राजस्व अर्जित कर देने वाले पूर्व मध्य रेलवे जोन में खाली पदों को जल्द भरना, सुरक्षा केटेगरी के रिक्त पदों को यथाशीघ्र भरने, ट्रैकमैन के पेट्रोलिंग बीट को 12 किमी करने सहित नये वेतन सिलिंग पर बोनस भुगतान और वेतन आयोग से संबंधित मुद्दों को उठाया गया । बैठक में बढ़े हुए और नये कार्यों के लिए नये पद सृजित करने, यात्रा भत्ता, ओवरटाइम भत्ता, सीटीए आदि के लिए क्षेत्रीय रेलों को पर्याप्त धनराशि आवंटित की मांग की गई। लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट को किलोमीटर भत्ते के बकाये राशि का भुगतान करने, सीबीटी परीक्षा की उत्तर-पत्रक तत्काल प्रकाशित करने की मांग उठी। रेलवे क्वार्टरों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करने पर चर्चा हुई। रेलवे से अनुबंधित रेफरल अस्पतालों को भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों को कैशलेश उपचार में आ रही समस्याओं का समाधान किया जाए तथा हर स्वास्थ्य केंद्र पर अनुबंधित प्रा-ईवेट अस्पतालों की सूची लगाई के बारे में भी बात हुई। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राहत देने , बाल देखभाल अवकाश के दूसरे वर्ष में भी पूर्ण वेतन का भुगतान करने, ट्रैकमैन की पेट्रोलिंग बीट अधिकतम 12 किलोमीटर रखने पर चर्चा हुई।

19-09-2026 T.P. Page 4_Layout 1 19-09-2026 07:09 Page 1



## संक्षिप्त खबरें

### झारखंड कैबिनेट की बैठक 25 सितंबर को, कई प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची ।झारखंड कैबिनेट की बैठक 25 सितंबर को होगी ।बैठक दोपहर 3 बजे झारखंड मंत्रालय के प्रोजेक्ट भवन में आयोजित की जाएगी। इसके लिए मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। बैठक में अलग-अलग विभागों से जुड़े कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी ।इन प्रस्तावों पर कैबिनेट की मंजूरी भी मिल सकती है। हालांकि, बैठक में किन-किन प्रस्तावों पर अंतिम फैसला होगा, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है ।कैबिनेट की बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी ।संबंधित विभागों की ओर से प्रस्ताव बैठक में रखे जाएंगे।

### पैसे के लेन-देन में कांके रोड से युवक का अपहरण, दो घंटे में रिंग रोड से पांच आरोपी दबोचे गये



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : गोंदा थाना क्षेत्र के कांके रोड में रॉक गार्डन के पास से बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक का अपहरण कर लिया। घटना शुक्रवार दोपहर 1.30 से 1.45 बजे के बीच की है। अपहृत युवक की पहचान कांके रोड पीपी पथ निवासी मोहित कुमार सिन्हा के रूप में हुई है। हालांकि, गोंदा थाना प्रभारी अभय सिन्हा की तत्परता से दो घंटे के भीतर पुलिस ने रिंग रोड से कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में प्रयोग किये गये अर्टिगा कार को भी जब्त कर लिया है ।घटना की सूचना मिलते ही गोंदा थाना पुलिस रेस हो गयी। शहर के निकास द्वारों की नाकेबंदी कर सफेद कार की तलाश में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया ।इसके बाद पुलिस ने अंततः रिंग रोड से अपराधी सहित कार को दबोचा गया ।घटना के वक्त मोहित अपने दोस्त अमन कुमार वर्मा के साथ लालपुर से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहा था ।जैसे ही दोनों रॉक गार्डन के समीप पहुंचे, तीन अज्ञात युवकों ने उनकी बाइक रुकवा ली। बाइक रुकते ही तीनों युवकों ने मोहित को गाड़ी से नीचे उतारा और अपने साथ ले जाने लगे ।जब मोहित के दोस्त अमन ने इसका विरोध किया और साथ ले जाने का कारण पूछा, तो अपराधियों ने बकाया पैसे के लेन-देन की बात कही। अमन ने उनसे कहा कि जो भी पैसे का मामला है, उसके लिए घर चलें या थाने में बैठकर बात करें ।अपराधियों ने अमन की एक न सुनी और उसके साथ धक्का-मुक्की करते हुए मोहित को थोड़ा आगे ले गये ।वहां पहले से खड़ी एक सफेद रंग की कार में दो अन्य अपराधी मौजूद थे। सभी ने मिलकर मोहित को जबरन गाड़ी में बैठाया और तेजी से फरार हो गये। अमन ने साहस दिखाते हुए अपराधियों की गाड़ी का पीछा करने की कोशिश की और कार के नंबर के आखिरी चार अंक नोट कर लिये ।घटना के बाद अमन ने तत्काल गोंदा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज करायी। अमन ने पुलिस को बताया कि पैसे के विवाद में मोहित की जान को खतरा है और हत्या की नीयत से ही उसका अपहरण किया गया है ।पुलिस ने बताया कि अपहृत युवक सीसीएल में डाटा इंट्री ऑपरेटर है ।पूछताछ में पता चला कि सीसीएल में कॉन्ट्रैक्ट में नौकरी लगाने के नाम पर पैसा लेने की बात सामने आयी है। कुल 1.20 लाख रुपये लिया गया था. इसमें लगभग 20,000 रुपये लौटाया भी गया था। पूरा पैसा नहीं मिलने पर ही घटना को अंजाम दिया गया था।

### सरला बिरला विवि में आइडियाथॉन का आयोजन, 77 टीमों ने लिया हिस्सा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः सरला बिरला विश्वविद्यालय में शुक्रवार को इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में ह्यआइडियाथॉन 2026ह्व का आयोजन किया गया ।जीडी बिरला सभागार में आयोजित कार्यक्रम का विषय ह्लकन्वर्टिंग आइडियाज इनटू इम्पैक्टह्व रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

डॉ. वर्मा ने कहा कि केवल ज्ञान अर्जित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका उपयोग वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान में होना चाहिए। विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, विचारों और नवाचार की क्षमता के माध्यम से समाज की जरूरतों को समझते हुए समाधान विकसित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा को कक्षा तक सीमित रखने के बजाय व्यवहारिक और प्रयोग आधारित बनाना समय की आवश्यकता है ।समस्याओं को चुनौती के साथ-साथ नए अवसर के रूप में देखने की जरूरत है ।बड़े परिवर्तन की शुरूआत एक विचार से होती है और नवाचार, परिश्रम व सही दिशा मिलने पर वही विचार समाज में सार्थक प्रभाव पैदा कर सकता है ।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विश्वविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ का शुभारंभ रहा ।इसके माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार और नए उद्यमों की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ उनके विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा ।महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक और कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने भी विद्यार्थियों को नवाचार एवं उद्यमिता के अवसरों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया ।वाणिज्य संकाय के डीन एवं आईआईसी अध्यक्ष प्रो. संदीप कुमार ने स्वागत भाषण दिया ।कार्यक्रम में फ्लोक्सस शिक्षा-प्रौद्योगिकी नव उद्यम के संस्थापक हृतिक शुभम और ए-स्क्वेयर्ड के निदेशक प्रवीण शर्मा ने अपने उद्यमशील एवं व्यावसायिक अनुभव साझा किए ।नुक्कड़ नाटक के जरिए सामाजिक चुनौतियों और नवाचारपूर्ण सोच का संदेश भी दिया गया ।आइडियाथॉन में कुल 77 टीमों ने पंजीकरण कराया ।छह समानांतर सत्रों में सामाजिक मुद्दों, पर्यावरण एवं स्थिरता, प्रौद्योगिकी एवं शिक्षा और स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे विषयों पर विचार प्रस्तुत किए गए।

### एक करोड़ की ठगी के आरोपी को दिल्ली पुलिस ने रांची से दबोचा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस की मदद से करीब एक करोड़ रुपये की ठगी के मामले में आरोपी संजू मिश्रा उर्फ टुनटुन को गिरफ्तार किया है। वह रांची के गांधी नगर का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने उसे दलादली इलाके से पकड़ा ।पुलिस के अनुसार, आरोपी पर अलग-अलग जगहों के लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है. गिरफ्तारी के बाद उसे रातू थाना में रखा गया है, जहां दिल्ली पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है ।आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड लेने की प्रक्रिया चल रही है।

# अब निगम खुद वसूलेगा होल्डिंग टैक्स, हर वार्ड में चिन्हित होंगे 500 बड़े बकायेदार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः राजस्व संग्रहण से जुड़ी एजेंसी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब नगर निगम खुद राजस्व वसूली का काम संभालेगा ।इसे लेकर शुक्रवार को नगर निगम में बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने की ।राजस्व शाखा परिसर में हुई बैठक में कहा गया है कि होल्डिंग टैक्स की वसूली के लिए वार्डवार लक्ष्य रखा जाएगा ।बकाया कर की वसूली भी की जाएगी ।निगम के आंतरिक राजस्व को बढ़ाने की तैयारियों की समीक्षा की गई। नगर आयुक्त ने कर संग्रहकताओं, रेवेन्यू इंस्पेक्टर और नगर प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्र के लिए लक्ष्य आधारित कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। इसमें बकाया होल्डिंग टैक्स की वसूली के साथ नए भवनों का असेसमेंट, री-असेसमेंट और ट्रेड लाइसेंस से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा गया ।नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक वार्ड में हर माह शीर्ष 500 बकायेदारों को चिन्हित किया जाएगा ।इसमें बकाया कर की वसूली की जाए। बड़े बकायेदारों पर विशेष ध्यान देने और राजस्व वसूली में किसी तरह की शिथिलता नहीं बरतने को कहा गया ।अक्टूबर से प्रत्येक वार्ड में राजस्व संग्रहण शिविर लगाए जाएंगे। इससे लोगों को स्थानीय स्तर पर ही कर भुगतान की सुविधा मिलेगी ।लोगों को डिजिटल माध्यम से टैक्स भुगतान के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा ।बैठक में सरकारी भूमि पर चल रहे व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े ट्रेड लाइसेंस की समीक्षा का निर्देश दिया गया ।नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ट्रेड लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी ।निगम स्वामित्व वाली दुकानों से बकाया किराए की वसूली के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी ।बकायेदारों की सूची जारी की जाएगी। इनसे किराया वसूलने का निर्देश दिया गया ।इस मौके पर नगर आयुक्त ने कहा कि निगम को वित्तीय रूप से मजबूत बनाया जाएगा ।इसे स्वावलंबी बनाने के लिए आंतरिक राजस्व बढ़ाने पर बल दिए जाएंगे। इसके लिए पदाधिकारी और कर्मियों को अधिक सक्रियता और जवाबदेही के साथ काम करना होगा। राजस्व संग्रहण की समीक्षा भी की जाएगी ।इस दौरान बैठक में उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार, नगर प्रबंधक और राजस्व शाखा की टीम मौजूद थी।

### लंबित मुकदमों के निपटारे के लिए झारखंड में शुरू होगी ह्यमेडिएशन फॉर द नेशन 3.0 मुहिम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। झारखंड में लंबित मुकदमों के त्वरित निपटारे के लिए ह्यमेडिएशन फॉर द नेशन 3.0 अभियान चलाया जाएगा ।सुप्रीम कोर्ट की मेडिएशन एंड कन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी (एमसीपीसी) की ओर से शुरू किए गए 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत तालुका कोर्ट, जिला अदालत, ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट में लंबित ऐसे मामलों की पहचान की जाएगी, जिनमें आपसी समझौते की गुंजाइश है ।इस संबंध में प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी नीरज कुमार श्रीवास्तव ने एक सितंबर को राज्य के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक को पत्र भेजा है। पत्र में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) ने एक पत्र का हवाला देते हुए सभी संबंधित विभागों से 30 सितंबर 2026 तक ऐसे लंबित मामलों और वादों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हित कर उनकी सूची झालसा के सदस्य सचिव को उपलब्ध कराने को कहा गया है ।अभियान के तहत सबसे पहले समझौते की संभावना वाले लंबित मामलों की पहचान की जाएगी ।इसके बाद प्री-मेडिएशन स्क्रीनिंग होगी और संबंधित पक्षों को नोटिस या सूचना देकर उपयुक्त मामलों को मेडिएशन सेंटर भेजा जाएगा। चिन्हित मामलों की सूची अदालत, बार और संबंधित आधिकारिक वेबसाइटों पर प्रकाशित करने का भी प्रावधान है ।इस अभियान में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, समझौता योग्य आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, कर्ज वसूली और सरफेसी मामले, डिक्री के निष्पादन से जुड़े मामले, मध्यस्थता अधिनियम के तहत मामले, व्यावसायिक विवाद, सेवा मामले, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण, श्रम कानून से जुड़े मामले और अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों को शामिल किया जा सकता है ।अभियान के दौरान पक्षकारों की सुविधा के अनुसार मेडिएशन ऑफलाइन, ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड में कराया जा सकेगा ।सातों दिन मेडिएशन की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। ऑनलाइन माध्यम से शामिल होने के इच्छुक पक्षकारों को भी इसकी अनुमति दी जाएगी और तालुका या जिला विधिक सेवा प्राधिकार ऑनलाइन मेडिएशन में सहयोग करेगा ।इसके अलावा मेडिएशन कमेटी को राज्य के न्यायाधीशों के लिए रेफरल जज ट्रेनिंग आयोजित करने का निर्देश दिया गया है ।अभियान के दौरान मामलों के रेफरल, सफल और असफल मेडिएशन और शुरू नहीं हो सके मामलों का प्रभाव आकलन भी किया जाएगा। अभियान पूरा होने के 30 दिनों के भीतर इसकी रिपोर्ट एमसीपीसी को भेजनी होगी।

### अपराधियों ने दिखाया दुस्साहस,दिनदहाड़े घर में घुस कर बुजुर्ग महिला से चेन छीना

रांची(ईएमएस) ।राजधानी में बेखौफ अपराधियों ने शुक्रवार को सदर थाना क्षेत्र के खोरहाटोली (चड्ढा पेट्रोल पंप के निकट) में दिनदहाड़े दुस्स-ाहस दिखाया है ।बेखौफ अपराधियों ने एक बुजुर्ग महिला को सुबह लगभग साढ़े छह बजे निशाना बनाते हुए घर में घुस कर सोने की चेन छीन ली ।पलक झपकते ही अपराधी बूटी मोड़ की ओर भाग निकले। दोनों अपराधी हेलमेट पहने हुए थे। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी है। पीड़ित महिला रामपति देवी (65 साल) ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है। पीड़ित महिला के बेटे मनोज रजक लौंड्री और हार्डवेयर का कारोबार करते हैं ।जानकारी के अनुसार, महिला अपने घर के मुख्य द्वार के पास बैठ कर चाय पी रही थी। चाय पीकर महिला घर में घुसी थी, इसी दौरान अपराधियों का मनोतबल इतना बढ़ा हुआ था कि बाइक सवार दो अपराधियों में से एक अपराधी बाइक से उतरा और घर में घुस गया और पीछे से महिला के गले से चेन छीन ली। साथ ही बाहर खड़े अपने साथी की बाइक पर बैठकर फरार हो गया ।दिनदहाड़े घर में घुसकर हुई इस छिनतई की घटना से पूरे खोरहाटोली इलाके में दहशत का माहौल है ।घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़िता और आसपास के लोगों से घटना की विस्तृत जानकारी ली। चड्ढा पेट्रोल पंप और आसपास के मकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ।सदर थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द ही अपराधियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जायेगा ।हालांकि, मुख्य सड़क से लेकर घर के अंदर तक बेखौफ होकर घटना को अंजाम देने वाले इन अपराधियों ने एक बार फिर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

## स्वच्छ पाठशाला में विद्यार्थियों ने जाना ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का महत्व

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत रांची नगर निगम की ओर से शुक्रवार को स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता पहल के अंतर्गत स्वच्छता ज्ञान यात्रा का आयोजन किया गया।

इस दौरान संत जॉन्स स्कूल की कक्षा 11 वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं को निगम क्षेत्र के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों का भ्रमण कराया गया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को 4-स्तरीय स्त्रोत पृथक्करण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की विभिन्न प्रक्रियाओं और स्वच्छता में युवाओं की भूमिका की जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों ने हरमू स्थित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) केंद्र का भी भ्रमण किया।

एमआरएफ केंद्र में विद्यार्थियों

को प्राथमिक और द्वितीयक कचरा संग्रहण के साथ स्त्रोत पर कचरे के पृथक्करण की प्रक्रिया, संचालन और उसके महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें बताया गया कि कचरे का स्त्रोत पर ही उचित पृथक्करण करने से उसके पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकता है।

इससे शहर की स्वच्छता व्यवस्था को भी प्रभावी बनाने में मदद मिलती है।

इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 और 4-स्तरीय स्त्रोत पृथक्करण की व्यवहारिक जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें स्कूल परिसर और अपने घरों में स्वच्छता की स्थायी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

## उपायुक्त ने दुर्गा पूजा में समितियों से एक ही दिन प्रतिमा विसर्जन करने का किया आग्रह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि



रांची, : आगामी दुगार्पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में विभिन्न पूजा समितियों के साथ बैठक हुई।

बैठक में विधि-व्यवस्था, यातायात, विद्युत, स्वच्छता, अग्निशमन, विसर्जन और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी पूजा समितियों से आपसी समन्वय स्थापित कर एक दिन विसर्जन के लिए आम सहमति बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि विसर्जन की व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात और विधि-व्यवस्था को ध्यान में रखकर समन्वित रूप से की जाए। उन्होंने पंडाल निर्माण से लेकर विसर्जन तक निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया।

पंडालों में आपात स्थिति में स-ुरक्षित निकासी के लिए पर्याप्त मार्ग रखने और बिजली के खंभे, ट्रांसफॉर्मर या अन्य विद्युत संरचनाओं से सटाकर पंडाल अथवा तोरण द्वार नहीं बनाने पर विशेष जोर दिया गया। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विद्युत कनेक्शन और स्वीकृत लोड लेने और खुले तारों का उपयोग नहीं करने को भी कहा गया।

मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिलाया। वहीं, यातायात पुलिस ने बैरिकेडिंग और आपातकालीन पहुंच सुनिश्चित करने, जबकि नगर पुलिस ने पंडाल परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। पूजा समितियों ने पार्किंग, स्वच्छता, बिजली और विसर्जन से जुड़े सुझाव भी दिए।

### करम अखरा मात्र उत्सव नहीं, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और सुरक्षित रखने का संकल्पःसुदेश महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। भाट बोड़या मैदान, कांके में आयोजित कांके विधानसभा स्तरीय करम अखरा महोत्सव में झारखंड सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया तथा कलाकारों एवं कलाप्रेमियों के साथ सामूहिक नृत्य में भी शामिल हुए ।इस अवसर पर सुदेश महतो ने कहा, करम अखरा मात्र उत्सव नहीं, हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और सुरक्षित रखने का संकल्प भी है। हमारी संस्कृति हमारी पहचान और हमारी सामूहिक चेतना की बुनियाद है। प्रकृति, परंपरा, लोकगीत, नृत्य, मांदर की थाप और अखरा की सामूहिकता झारखंड की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा हैं। आधुनिकता के दौर में हमें विकास के साथ अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती से बचाए रखना होगा ।उन्होंने कहा, आज दुनिया में अनेक आधुनिक वाद्य यंत्र हैं, लेकिन नगाड़े की गूंज, मांदर की थाप और ढोल की आवाज में झारखंड की अपनी आत्मा सुनाई देती है। हमारी खूबसूरती यही है कि हर बोली में संगीत और हर चाल में नृत्य बसता है। अखरा केवल नृत्य का स्थान नहीं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने, समाज को संगठित करने और अपनी विरासत को आगे बढ़ाने का माध्यम रहा है ।उन्होंने नई पीढ़ी को अपनी भाषा, लोकगीत, लोकनृत्य, परंपराओं और प्रकृति से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सांस्कृतिक विरासत तभी जीवित रहेगी, जब समाज स्वयं उसके संरक्षण की जिम्मेदारी उठाएगा ।महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री महावीर नायक, आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी केंद्रीय सचिव मोहसिन खान, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान,जिलाध्यक्ष संजय कुमार महतो,जिप अध्यक्ष निर्मला भगत,कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी,पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी ने संयुक्त रूप से किया।

### 19 से 23 सितंबर तक 20 ट्रेनें प्रभावित, 16 रद्द व 4 के बदले रूट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची ।झारखंड से गुजरने और खुलने वाली 20 यात्री ट्रेनों का परिचालन 19 से 23 सितंबर तक प्रभावित रहेगा। 16 ट्रेनें पूरी तरह से रद्द रहेंगी, जबकि 4 ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही समाप्त अथवा शुरू किया जाएगा ।इस बदलाव के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में सफर करने वाले हजारों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ट्रेनों के परिचालन में यह फेरबदल दक्षिण पूर्व रेलवे के बीरराजपुर स्टेशन पर चल रहे विकासात्मक कार्यों के मद्देनजर किया गया है ।रद्द की गई 16 ट्रेनों में मुख्य रूप से टाटानगरझ्र बरकाकाना, बरकाकानाझ्रटाटानगर, आसनसोलझ्रटाटानगर, खड़कपुरझ्र टाटानगर, झाड़ग्रामझ्रपुरुलिया, हटियाझ्रआदित्यपुर और आदित्यपुरझ्रहटिया मेमू ट्रेनें शामिल हैं, जिनका परिचालन 19 से 23 सितंबर के बीच अलग-अलग तिथियों पर बंद रहेगा ।इसके साथ ही एक्सप्रेस सेवाओं पर भी इसका व्यापक असर पड़ा है, जिसके तहत टाटानगरझ्रहटिया एक्सप्रेस (20-22 सितंबर), टाटानगरझ्रबिलासपुर एक्सप्रेस (19-21 सितंबर) और झाड़ग्रामझ्रधनबाद एक्सप्रेस (22 सितंबर) रद्द रहेंगी ।वहीं, शॉर्ट टर्मिनेशन व्यवस्था के तहत 4 ट्रेनों के गंतव्य में बदलाव करते हुए धनबादझ्रआदित्यपुर एक्सप्रेस को 20 से 22 सितंबर तक आद्रा स्टेशन तक और आसनसोल आदित्यपुर एक्सप्रेस को 20 व 22 सितंबर को पुरुलिया तक ही सीमित कर दिया गया है।

## चैंबर चुनाव में गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच की मांग, टीम पी 21 ने चैंबर अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः ।फिडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज चुनाव को लेकर टीम पी 21 ने अब सीधा मोर्चा खोल दिया है। टीम के प्रत्याशियों और प्रतिनिधियों ने आज चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल से मुलाकात की ।उन्होंने अध्यक्ष को अपनी शिकायतों का एक लिखित आवेदन सौंपा है। इसमें चुनाव प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। साथ ही पूरी प्रक्रिया की एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और संस्थागत जांच कराने की मांग रखी गई है ।टीम पी 21 ने सबसे पहले सभी चुनावी रिकॉर्ड को तुरंत सु-रक्षित करने की मांग की है। इसमें मतदान और मतगणना के मूल और डिजिटल अभिलेख शामिल हैं। मतदाता सूची और वोटिंग रजिस्टर को भी हिफाजत से रखने को कहा गया है ।इसके अलावा कंप्यूटर लॉग और मतदान केंद्र के सीसीटीवी फुटेज को भी संरक्षित करने की मांग है। इसका मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी रिकॉर्ड से कोई छेड़छाड़ या डिलीशन न हो सके ।चुनाव में पा-रदर्शिता लाने के लिए स्वतंत्र सत्यापन का आग्रह किया गया है ।टीम चाहती है कि उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच किसी विशेषज्ञ या सक्षम समिति से कराई जाए ।जिन मतों पर आपत्तियां हैं, उनका मूल रिकॉर्ड और वीडियो साक्ष्यों से मिलान हो ।इससे चुनाव आचार-संहिता के उल्लंघन की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी। मतदाताओं को प्रभावित करने की शिकायतों का भी इससे निपटारा हो सकेगा ।विवादित प्रत्याशियों के पदभार पर लगे रोक

जिन प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें हैं, उनके पदभार ग्रहण पर तत्काल रोक की मांग की गई है ।जांच पूरी होने तक उन्हें कार्यकारी समिति में शामिल न करने को कहा गया है ।टीम का कहना है कि अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो नियमों के तहत कड़ी कार्रवाई हो। ऐसे प्रत्याशियों को अयोग्य घोषित कर पद से हटाया जाए ।पहले सत्यापन, फिर अंतिम वैधानिक निर्णय की नीति पर टीम पी 21 ने जोर दिया है ।पी 21 का कहना है कि उनका मकसद किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं है। वे केवल चुनाव की विश्वसनीयता और संस्था की मयार्दा को बचाए रखना चाहते हैं। टीम ने चैंबर अध्यक्ष से तय समयसीमा के भीतर सभी पक्षों को सुनने का अनुरोध किया है ।जांच की स्थिति की लिखित जानकारी देने की भी मांग रखी गई है ।ऐसा होने पर ही चुनाव परिणाम सभी सदस्यों को स्वीकार्य होंगे।

## संक्षिप्त खबरें

# पितृपक्ष मेला में ऑटो-ई-रिक्शा का किराया तय, मनमानी वसूली पर लगेगी रोक

### गया स्टेशन से विष्णुपद, फल्गु तट व प्रमुख पिंड-वेदी स्थलों तक निर्धारित हुआ प्रति व्यक्ति किराया

गया जी(एजेंसी) : पितृपक्ष मेला 2026 में देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को ऑटो, ई-रिक्शा और सीएनजी ऑटो के मनमाने किराये से राहत मिलेगी। जिला प्रशासन की ओर से परिवहन विभाग ने विभिन्न प्रमुख मार्गों के लिए प्रति व्यक्ति किराया निर्धारित कर दिया है। किराये की सूची स-ार्वजनिक की जाएगी ताकि यात्रियों को निर्धारित दर की जानकारी मिल सके और अधिक वसूली पर रोक लगाई जा सके। डीटीओ राजेश कुमार ने बताया कि निर्धारित दर के अनुसार गया रेलवे स्टेशन से विष्णुपद मंदिर तक प्रति व्यक्ति 30 रुपये, गया रेलवे स्टेशन से चांदचौरा 40 रुपये तथा चांदचौरा से प्रेतशिला 60 रुपये किराया होगा। गया स्टेशन से गांधी मैदान गया तक 15 रुपये, जबकि स्टेशन से टिल्हा धर्मशाला 30 रुपये निर्धारित किया गया है। विष्णुपद से चांदचौरा तक 40 रुपये और विष्णुपद से बागेश्वरी गुमटी तक 50 रुपये प्रति व्यक्ति किराया तय है।

पितृपक्ष मेला के दौरान गया रेलवे स्टेशन, विष्णुपद, चांदचौरा, प्रेतशिला, रामशिला, अक्षयवट सहित प्रमुख पिंडवेदी स्थलों पर बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में निर्धारित किराया सूची यात्रियों के लिए उपयोगी होगी। प्रशासन द्वारा वाहन चालकों को भी निर्धारित दर के अनुसार किराया लेने का निर्देश दिया जाएगा।

# फतेहपुर में धूमधाम से संपन्न हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना

### विभिन्न स्थानों पर स्थापित की गई भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : शिल्पकार और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा शुक्रवार को फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम और श्रद्धा के साथ की गई। विश्वकर्मा पूजा को लेकर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आकर्षक ढंग से भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की गई। सुबह से ही पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई और हवन कराया गया।

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं, दुकानों, प्रतिष्ठानों, वर्कशॉप और अन्य स्थानों पर लोगों ने अपने वाहनों व मशीनरी की भी विशेष रूप से पूजा की। वाहन मालिकों ने अपने वाहनों को सजाकर विधिवत पूजा की और प्रसाद चढ़ाया। पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। लोगों ने भगवान विश्वकर्मा से सुख-समृद्धि, सुरक्षित कार्य और व्यवसाय में उन्नति की कामना की गई।

# शराब के नशे में हंगामा करते आठ गिरफ्तार,फतेहपुर पावर हाउस के पास पुलिस ने की कार्रवाई

### सभी को हिरासत में लेकर भेजा गया न्यायिक प्रक्रिया में

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र में शराब के नशे में हंगामा करना आठ लोगों को महंगा पड़ गया। पुलिस ने शुक्रवार को फतेहपुर पावर हाउस के समीप शराब के नशे में हंगामा कर रहे आठ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि पावर हाउस के पास कुछ लोग शराब के नशे में शोर-शराबा और हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे सभी आठ लोगों को पकड़ लिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि गिरफ्तार सभी लोगों की जांच कराई गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। इसके बाद सभी को थाना लाया गया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि शराबबंदी कानून के तहत मामले में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराब पीकर सार्वजनिक स्थान पर हंगामा करने वालों में हड़कंप मच गया। उन्होंने लोगों से शराबबंदी कानून का पालन करने और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

# फतेहपुर में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई कांटी मोड़ के पास की। पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रैक्टर से अवैध रूप से बालू का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कांटी मोड़ के पास वाहन की जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को देखकर बालू लदा ट्रैक्टर छोड़कर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर थाना परिसर में रखा है। चालक की पहचान और उसके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# आहर किनारे पड़ा मिला जूता, भैंस चराने निकले वृद्ध का नहीं मिला सुराग

### बड़की आहर में डूबने की आशंका से मचा हड़कंप

### कत्थाडीह के 65 वर्षीय होरिल यादव शाम में निकले थे घर से, पुलिस को दी गई सूचना

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के बहसापीपरा गांव स्थित बड़की आहर के पास शुक्रवार की शाम एक वृद्ध का जूता मिलने से सनसनी फैल गई। जूता कत्थाडीह गांव निवासी 65 वर्षीय होरिल यादव का होने की पुष्टि होने के बाद परिजनों और ग्रामीणों को उनके आहर में डूबने की आशंका सताने लगी। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण आहर पर जुट गए और वृद्ध की तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक आहर और उसके आसपास काफी खोजबीन की गई, लेकिन होरिल यादव का कोई सुराग नहीं मिल सका।बताया गया कि होरिल यादव शुक्रवार शाम भैंस घुमाने के लिए बड़की आहर की ओर गए थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। गांव और आसपास के इलाकों में खोजबीन के बाद परिजन जब आहर के समीप पहुंचे तो वहां उनका जूता पड़ा मिला। जूता देखते ही परिजनों की चिंता बढ़ गई और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ आहर के पास जुट गई। कई ग्रामीण आहर में उतरकर वृद्ध की तलाश में जुट गए। अंधेरा होने के बावजूद काफी देर तक पानी और आसपास के हिस्सों को खंगाला गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। देर शाम तक वृद्ध का न तो पता चला और न ही शव बरामद किया जा सका।वृद्ध के पुत्र बालेश्वर यादव ने घटना की सूचना फतेहपुर थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। परिजन और ग्रामीण अब भी होरिल यादव के सकुशल मिलने की उम्मीद में उनकी तलाश में जुटे हैं। आहर में डूबने की आशंका को लेकर आगे भी खोजबीन किए जाने की बात कही जा रही है।

# 'हम' ने दीप क्या जलाया, कुछ लोगों का दिल ही जल गया : जीतन राम मांझी

### मोदी के जन्मदिन पर आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम के बाद विपक्ष पर मांझी ने कसा तंज

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी:केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में आयोजित ह्यआशीर्वाद का दियाह्न कार्यक्रम की सफलता के बाद विपक्ष की ओर से की जा रही बयानबाजी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, ह्लहमह्र ने दीप क्या जलाया कुछ लोगों का तो दिल ही जल गया।मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान देशभर में लोगों का उत्साह और भागीदारी यह बताती है कि

जनता का प्रधानमंत्री के प्रति स्नेह और विश्वास लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि कल एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बेइंतहा मुहब्बत करती है।

केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष की प्रतिक्रिया पर व्यंग्य करते हुए कहा कि जिन लोगों का दीप जलने से दिल जल रहा है उनके लिए वे कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय नड्डा जी के पास है, वही कुछ करेंगे। केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास और समर्थन सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी को उन्होंने जनता के स्नेह और विश्वास का प्रतीक बताया।उन्होंने कहा कि देश की जनता जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना स्नेह प्रकट कर रही है, वह लोकतांत्रि-ाक व्यवस्था में महत्वपूर्ण है। उन्होंने विपक्ष की बयानबाजी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता के उत्साह और समर्थन से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री के प्रति लोगों का जुड़ाव व्यापक है।मांझी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की भावना और उसका विश्वास सर्वोपरि होता है। जनता अपने जनप्रतिनिधियों और नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन विभिन्न लोकतांत्रिक माध्यमों से व्यक्त करती है।

# भू-अर्जन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, विकास की रफ्तार रोकने वालों की तय होगी जवाबदेही : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 18 सितंबर (हि.स.)। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने शुक्रवार को राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में राज्य में चल रही भू-अर्जन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान रेलवे के कोई स्थानीय अधिकारी के उपस्थित नहीं रहने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रेलवे के अधिकारी भू-अर्जन के मामलों को लेकर गंभीर नहीं हैं, जो दुखद है। मंत्री ने भू-अर्जन निदेशक को स्थानीय महाप्रबंधक और रेलवे बोर्ड को इस संबंध में सख्त पत्र भेजने का निर्देश दिया।

मंत्री ने जिलावार एक-एक परियोजना की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भू-अर्जन की प्रक्रिया में तेजी लाने और अनावश्यक देरी रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नोटिस तामिला के 14 दिन बाद संबंधित पक्ष को रिमाइंडर जरूर भेजा जाए, ताकि कार्रवाई में अनावश्यक विलंब न हो। न्यायालय में विचाराधीन मामलों की प्रत्येक स्थिति से निदेशालय को अवगत कराने और लीगल सेल से उनका अध्ययन कराकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने को भी कहा।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि भू-अर्जन का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों की सक्रियता से ही राज्य के विकास की गति तय होती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास का रास्ता तैयार करने की जिम्मेदारी भू-अर्जन अधिकारियों की है। इस प्रक्रिया में लापरवाही सीधे विकास कार्यों को प्रभावित करती है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं।

समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव जय सिंह ने परियोजनाओं की श्रेणीवार समीक्षा की। पीएमजी के अंतर्गत सारण, सिवान, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और भोजपुर की परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद रेलवे और एनएचएआई की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

# जियनबीघा शिव मंदिर में आज होगी राम, लक्ष्मण, जानकी व राधा-कृष्ण की प्राण-प्रतिष्ठा

### मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा से पहले हुए विशेष अनुष्ठान, रामायण पाठ से भक्तिमय हुआ माहौल

फतेहपुर (गया जी): टनकुप्पा प्रखंड क्षेत्र के जियनबीघा स्थित शिव मंदिर परिसर में राम, लक्ष्मण, जानकी एवं राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापना को लेकर शुक्रवार को धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वेदी पूजन के साथ जलाधिवास, अन्नाधिवास और पुष्पाधिवास की विधि पूरी की गई। शनिवार को मंदिर परिसर में राम, लक्ष्मण, जानकी एवं राधा-कृष्ण की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा कर विधिवत स्थापना की जाएगी। इसे लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए आसपास के गांवों से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मूर्ति स्थापना और प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर में आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। पूजन कार्यक्रम में रामाशिष सिंह, रीता देवी एवं रामाश्रय सिंह यजमान के रूप में शामिल हुए। पंडित सुगंध पांडेय ने वैदिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। वहीं सोनाली भारती, योगेंद्र पांडेय एवं अम्बोज कुमार पांडेय उर्फ टिंकू बाबा ने रामायण पाठ किया। रामायण की चौपाइयों और वैदिक मंत्रों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। अनुष्ठान के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

# ई-वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से प्रदूषण कम करने में मिलेगी मदद: डीटीओ

### गया में 50 से अधिक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का फ्लैग ऑफ

गया जी (एजेंसी) : स्वच्छ ऊर्जा और प्रदूषण नियंत्रण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गया के स्वराजपुरी रोड स्थित केएल गुप्ता परिसर से 50 से अधिक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का फ्लैग ऑफ किया गया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा इनके इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।जानकारी देते हुए डीटीओ राजेश कुमार ने कहा कि ई-वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से प्रदूषण कम करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर एमवीआई अभिषेक कुमार ने बताया कि बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का सड़क पर उतरना लोगों में ई-वाहनों के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को सफल बनाने की दिशा में यह एक सराहनीय कदम है।

उन्होंने बताया कि बिहार स-रकार की ओर से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए 10 हजार और 12 हजार रुपये तक की सब्सिडी भी दी जा रही है। इससे ई-वाहनों की खरीद को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ प-रिवहन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की अपील की।

# पितृपक्ष में गया जंक्शन पर चप्पे-चप्पे की बढ़ेगी निगरानी: तोमर

### डीडीयू मंडल के ड-ीएससी दिनेश सिंह तोमर ने स्टेशन का लिया जायजा,

### भीड़ नियंत्रण को आरपीएफ-जीआरपी को किया अलर्ट

गया जी(एजेंसी) : पितृपक्ष मेला-2026 में देशभर से गया आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गया जंक्शन की सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को डीडीयू मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त (डीएससी) दिनेश सिंह तोमर ने गया जंक्शन का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्लेटफॉर्म, प्रवेश-निकास द्वार, सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, फुट ओवरब्रिज और यात्री आवागमन वाले क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पितृपक्ष में गया जंक्शन पर चप्पे-चप्पे की निगरानी बढ़ेगी। साथ ही भीड़ नियंत्रण को आरपीएफ-जीआरपी को अलर्ट किया गया है।

निरीक्षण के दौरान डीएससी ने सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय सिंह एवंआरपीएफ इंस्पेक्टर बना-रसी यादव, जीआरपी थानाध्यक्ष शिव कुमार सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार को बैठक के दौरान आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ बढ़ने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के साथ जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। ड-ीएससी ने प्लेटफॉर्म पर प्रभावी ड्यूटी, संदिग्ध व्यक्ति एवं वस्तुओं पर निगरानी, महिला-बच्चों की सुरक्षा और यात्रियों के सामान की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया गया।इसके बाद डीएससी ने एसपी सिटी के साथ समन्वय बैठक की। इसमें गया शहर और स्टेशन पर संभावित भीड़, यातायात, कानून-व्यवस्था और आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने को लेकर आरपीएफ, जीआरपी, जिला पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल पर चर्चा हुई। अधिकारियों को महत्वपूर्ण सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान करने और संयुक्त रूप से कार्रवाई करने को कहा गया।

डीएससी ने कहा कि मेला अवधि में आरपीएफ, जीआरपी और जिला पुलिस आपसी समन्वय से काम करेगी, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा मिल सके तथा भीड़ के दबाव में किसी अप्रिय घटना की गुंजाइश नहीं रहे।

# मैपिंग पंजी की जांच रिपोर्ट पर उठे सवाल, अब स्वतंत्र जांच की मांग

### त्रिस्तरीय टीम की रिपोर्ट में अहम तथ्यों व साक्ष्यों की अनदेखी का आरोप

### चरोखरी पंचायत के सिमराटाड़ आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ा है मामला

फतेहपुर (गया जी): फतेहपुर प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्र सिमराटाड़, कोड संख्या-41, पंचायत चरोखरी के मैपिंग पंजी की जांच रिपोर्ट को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जांच के दौरान प्रस्तुत किए गए तथ्यों और साक्ष्यों का रिपोर्ट में समुचित उल्लेख नहीं होने का आरोप लगाते हुए चरोखरी पंचायत निवासी मनोज कुमार ने गया के जिला पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले की पुनः स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।आवेदन में मनोज कुमार ने बताया है कि 14 अगस्त को मैपिंग पंजी की जांच के लिए त्रिस्तरीय टीम सिमराटाड़ पहुंची थी। जांच के दौरान उन्होंने पंजी से संबंधित कई महत्वपूर्ण तथ्यों और कथित अनियमितताओं की जानकारी टीम के सदस्यों को दी थी। उनका दावा है कि मौके पर ही संबंधित बिंदुओं की वास्तविकता स्पष्ट करने के लिए आवश्यक साक्ष्य भी जांच टीम के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे। मनोज कुमार का आरोप है कि जांच के दौरान तथ्यों और साक्ष्यों से अवगत कराने के बावजूद त्रिस्तरीय टीम की ओर से तैयार रिपोर्ट में मौके की वास्तविक स्थिति का सही तरीके से उल्लेख नहीं किया गया। कई महत्वपूर्ण तथ्यों और प्रस्तुत साक्ष्यों को रिपोर्ट में शामिल नहीं किए जाने से जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।आवेदनकर्ता ने डीएम से पूरे मामले की पुनः किसी सक्षम अधिकारी अथवा स्वतंत्र जांच टीम से जांच कराने की मांग की है।

# मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान का किया शुभारंभ

पटना, (एजेंसी) :मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'कायाकल्प' पोर्टल का भी लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान की शुरूआत की गयी है। साथ ही कायाकल्प पोर्टल का भी लोकार्पण किया गया है। इस अभियान का मूल उद्देश्य है- सार्वजनिक सुविधाओं एवं परिसंपतियों को बेहतर एवं स्वच्छ बनाना तथा नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करना। उन्होंने कहा कि अभियान के दो प्रमुख अवयव हैं। पहला, पूर्व से अवस्थित परिसंपतियों का उन्नयन, सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मती, जिसे हर हाल में 30 नवम्बर तक पूर्ण किया जाना है। हमारा सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों से आग्रह है कि इसे दीपावली के पहले ही पूर्ण कर लें। दूसरा, नई आधारभूत संरचना एवं परिसंपतियों का निर्माण जिसे 31 मार्च 2027 तक पूर्ण किया जायेगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिये सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के प्रतिनिधियों का सहयोग लें। छोटी-छोटी चीजों पर गौर करें और उसका सफल क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि पंचायत विकास दिवस के अवसर पर होनेवाले कार्यक्रम में इस अभियान के अवयवों को शामिल कर बेहतर ढंग से कार्यों को संपादित करें।

# सिंधुगढ़ में सात बाइकों पर लदी 1405 लीटर महुआ शराब जब्त, एक गिरफ्तार

### बांदा-सांवर्चक सड़क पर सिंधुगढ़ थाना पुलिस ने की कार्रवाई

### सातों बाइक को किया जब्त, शराब तस्करी के नेटवर्क की जांच शुरू

फतेहपुर (गया जी): सिंधुगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सात बाइकों पर लदी कुल 1405 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से सभी सातों बाइक को जब्त कर लिया। इस कार्रवाई में एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। जबकि अन्य तस्कर पुलिस से बचकर भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष निलेश कुमार ने बताया कि सिंधुगढ़ थाना क्षेत्र के बंदा-सांवरचक रोड पर शराब की तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त मार्ग पर जांच अभियान चलाया। इसी दौरान सात बाइकों पर शराब लदी होने की जानकारी सामने आयी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाइकों पर लदी कुल 1405 लीटर देसी महुआ शराब बरामद कर जब्त कर ली। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर ने पूछताछ में अपना नाम पता कृष्ण कुमार, पिता-स्व. वृक्ष यादव, ग्राम-रेंगैनी, थाना-गुरपा बताया। गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही फरार तस्करों की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में महुआ शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। शराब तस्करी में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

## संपादकीय

# हिंसक विज्ञापनों से लोकतंत्र की मयार्दा पर उठते गंभीर सवाल

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता का परिवर्तन जनता के मताधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होता है। राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक संघर्ष और मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन जब राजनीतिक विरोध को हिंसा, नफरत और ताकत के प्रदर्शन से जोड़ने का प्रयास किया जाए, तो यह चिंता का विषय बन जाता है। भारतीय जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल से जारी किए जा रहे कुछ आक्रामक विज्ञापनों और रील्स को लेकर इसी तरह के सवाल उठ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को दिमागी नक्सलियों को पहचानने और उनसे मुक्ति पाने का आह्वान किया था। इसके बाद भाजपा के सोशल मीडिया प्रचार में विपक्षी दलों, छात्रों और युवाओं को लेकर जिस तरह की सामग्री सामने आने की चर्चा है, उसने राजनीतिक विमर्श की दिशा पर बहस को जन्म दिया है। लाठी, तलवार और एके-47 जैसे हथियारों के माध्यम से विरोधियों को निशाना बनाने वाले दृश्य यदि किसी राजनीतिक दल के आधिकारिक प्रचार का हिस्सा हैं, तो उनकी भाषा और संदेश पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

राजनीति में विरोधियों की आलोचना करना हर दल का अधिकार है। लेकिन आलोचना और हिंसक धमकी के बीच स्पष्ट अंतर है। किसी राजनीतिक दल को अपने विचारों और नीतियों के आधार पर जनता का समर्थन हासिल करना चाहिए। यदि चुनावी प्रचार में विरोधियों को पीटते हुए, हथियारों के साथ हमला करते हुए या भय का वातावरण बनाते हुए दिखाया जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होने का खतरा पैदा होता है।

भाजपा की कथित विज्ञापन श्रृंखला में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए अलग-अलग हिंसक दृश्यों का इस्तेमाल किए जाने की बात कही जा रही है। एक विज्ञापन में लाठियों से कांग्रेस कार्यकताओं पर हमला दिखाने का उल्लेख है। दूसरे में रोम के गुलाम विद्रोह पर बनी फिल्म के दृश्य का उपयोग किया गया है। तीसरे में एके-47 और एके-56 राइफलों के साथ दिमागी नक्सलियों के खिलाफ हमले जैसा चित्रण बताया गया है। इन विज्ञापनों की वास्तविकता, संदर्भ और आधिकारिक स्त्रोतों की पुष्टि आवश्यक है, लेकिन यदि ये सामग्री आधिकारिक राजनीतिक प्रचार का हिस्सा हैं, तो इनके प्रभाव पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए।




# 24 की जीत से 27 की जंग तक, कैसे सपा बचायेगी अपनी ताकत

लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य में एक अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिला था, जहाँ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन (इंडिया ब्लॉक) ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए को जोरदार झटका दिया था। 2014 से चल रहे मोदी के जादू को सपा ने 2024 में प्रदेश में लगभग धराशायी कर दिया था। राज्य की कुल 80 लोकसभा सीटों में से इस विपक्षी गठबंधन ने मिलकर कुल 43 सीटें हासिल कीं। इस शानदार प्रदर्शन ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। हालांकि प्रदेश की राजनीति और योगी सरकार पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति में सपा की स्थिति बेहद मजबूत हो गई। भाजपा करीब ढाई सौ पर सिमट गई। भाजपा गठबंधन वाले एनडीए को मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए जेडीयू के साथ टीडीपी की बैसाखी का सहारा लेना पड़ गया। यह और बात रही कि मोदी सरकार के तेवरों में कोई कमी नहीं आई। उसने विपक्ष के हो-हल्ले के बावजूद कई अहम फैसले लिए। इसका प्रभाव यूपी में भी दिखाई दिया, लेकिन इसके उलट समाजवादी पार्टी के सांसद अपनी लोकप्रियता खोते गए। दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में समाजवादी पार्टी सत्ता से दूर रही तो इसका खामियाजा उसे जनता की नाराजगी के रूप में भुगतना पड़ा। सपा के सांसदों और विधायकों पर काम नहीं करने का ठप्पा लग गया, जिसका खामियाजा पार्टी को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है।

दरअसल, चुनाव जीतने के बाद जिस तरह की सक्रियता किसी जनप्रतिनिधि से अपेक्षित होती है, वह सपा के अधिकांश सांसदों में नदारद दिखी। संसद सत्रों में मौजूदगी से लेकर अपने संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों की पैरवी तक, कई मोर्चों पर सपा सांसदों का प्रदर्शन कमजोर रहा। जनता के बीच यह धारणा मजबूत होती गई कि जीत के बाद ये नेता दिल्ली और लखनऊ की सियासी उठापटक में उलझकर अपने मतदाताओं से दूर हो गए। सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी समस्याओं पर स्थानीय स्तर पर आवाज उठाने में सांसदों की निष्क्रियता ने उस जनादेश को कमजोर करना शुरू कर दिया, जो कभी मोदी लहर के खिलाफ एक मजबूत संदेश माना गया था। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम पहलू यह है कि जिस पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले के सहारे अखिलेश यादव ने 2024 में भाजपा को झटका दिया था, वह गठजोड़ अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। कई इलाकों में स्थानीय स्तर पर यह शिकायत आम हो चुकी है कि टिकट बंटवारे और संगठन में जिस समावेशी भागीदारी का वादा किया गया था, वह चुनाव जीतने के बाद व्यवहार में उतनी दिखाई नहीं दी। गैर-यादव पिछड़ी जातियों और कुछ दलित समूहों के बीच यह भावना घर करती जा रही है कि सत्ता और संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर अब भी परंपरागत नेतृत्व ही हावी है। यह असंतोष अगर संगठित रूप ले लेता है, तो 2027 में सपा के लिए यह भारी पड़ सकता है, क्योंकि यही सामाजिक समीकरण उसकी जीत का आधार बने थे।

इन सबके बीच सबसे बड़ी परीक्षा खुद अखिलेश यादव की है। 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी उनका दीर्घकालिक लक्ष्य रहा है, लेकिन मौजूदा हालात बताते हैं कि यह राह आसान नहीं होगी। उन्हें न सिर्फ अपने सांसदों और विधायकों की निष्क्रियता पर लगाम लगानी होगी, बल्कि संगठन को जमीनी स्तर पर फिर से सक्रिय करना होगा। जबकि उनके पास समय काफी कम बचा है। अखिलेश को जनता के बीच यह भरोसा फिर से कायम करना होगा कि सपा केवल चुनाव जीतने के लिए वादे नहीं करती, बल्कि सत्ता में आने के बाद भी जनता के साथ खड़ी रहती है। इसके लिए पार्टी को अपने सांसदों की जवाबदेही तय करनी होगी, संगठन में नई ऊर्जा भरनी होगी और पीडीए फॉमूर्ले को केवल नारे तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारना होगा। यदि पिछले-दलित पर कोई मुसलमान अत्याचार करे, तो उन्हें इसके खिलाफ भी आवाज उठाने से गुरेज नहीं करना चाहिए, जबकि जमीनी स्तर पर ऐसा होता दिख नहीं रहा है।हालांकि, अभी विधानसभा चुनाव में छहः माह का समय शेष है, और भारतीय राजनीति में आखिरी के छहः महीनों को महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान कई मुद्दे उभरते, कई समीकरण बदल सकते हैं। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएँ और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दे अगर विपक्ष प्रभावी ढंग से उठा पाए, तो जनता का रुख फिर बदल सकता है। दूसरी ओर, भाजपा के सामने भी अपनी सरकार के खिलाफ बनी सत्ता विरोधी भावना (एंटी इनकंबेंसी) से निपटने की चुनौती होगी, खासकर उन इलाकों में जहाँ विकास कार्य अपेक्षा के अनुरूप नहीं हुए हैं। अखिलेश को इसको भुनाने के पूरे प्रयास करने होंगे।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत को यदि सपा 2027 के विधानसभा चुनाव तक बरकरार रखना चाहती है, तो उसे आत्ममुग्धता से बाहर निकलकर ठोस जमीनी रणनीति पर काम करना होगा। महज गठबंधन के सहारे या पुराने समीकरणों पर भरोसा करके सत्ता तक पहुँचना अब पहले जितना आसान नहीं रह गया है। जनता की नाराजगी को समय रहते पहचानना और उसका समाधान निकालना ही अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के लिए आगे की राह तय करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सपा अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर कर पाएगी, या फिर योगी सरकार का सुव्यवस्थित प्रशासनिक और सियासी प्रबंधन एक बार फिर उत्तर प्रदेश की सत्ता की चाबी भाजपा के हाथों में सौंप देगा। आने वाले महीनों में होने वाली राजनीतिक हलचलें, संभावित उपचुनाव और दोनों पक्षों की रणनीतिक चालें ही यह तय करेंगी कि 2024 का जनादेश 2027 में दोहराया जा सकेगा या नहीं।बहरहाल, यदि 2024 में सपा-कांग्रेस गठबंधन की कुल 43 सीटों के आँकड़े को अलग-अलग दलों के हिसाब से देखा जाए, तो इसमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी समाजवादी पार्टी की रही। समाजवादी पार्टी ने अपने दम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की, जो उत्तर प्रदेश में किसी भी एक दल द्वारा सबसे अधिक जीती गई सीटें थीं। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी बेहतर वापसी करते हुए गठबंधन के तहत चुनाव लड़ते हुए 6 सीटें अपने नाम कीं। इस तरह से 37 और 6 का यह आँकड़ा मिलकर कुल 43 सीटों पर इस गठबंधन की विजय को सुनिश्चित करता है।

लोकसभा सीटों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा क्षेत्रों की संख्या का यदि विश्लेषण किया जाए, तो प्रत्येक सामान्य लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत औसतन 5 विधानसभा सीटें आती हैं। इस प्रकार, गठबंधन द्वारा जीती गई कुल 43 लोकसभा सीटों के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की कुल 215 विधानसभा सीटें आती हैं। यह संख्या राज्य की कुल 403 विधानसभा सीटों का लगभग आधा हिस्सा है, जो यह दशार्ता है कि लोकसभा चुनाव के दौरान जनता के इस जनादेश का प्रभाव राज्य की विधानसभा वार क्षेत्रों पर किस व्यापक स्तर पर था, लेकिन पिछले दो साल में काफी कुछ बदल चुका। सपा सांसद ठीक से काम नहीं कर पाए तो उनके संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 215 विधानसभा सीटों के वोटर भी गुस्से और नाराजगी में हैं। वोटरों की यही नाराजगी सपा का खेल बिगाड़ सकती है। अगर ऐसा हुआ तो अखिलेश के सत्ता में वापसी के सपनों पर पानी फिर सकता है।

दूसरी तरफ, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने लोकसभा चुनाव के झटके के बाद अपनी रणनीति में स्पष्ट बदलाव किया। कानून-व्यवस्था को लेकर सख्ती, बुनियादी ढाँचे के विकास पर जोर, और सामाजिक कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाकर सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की कि लोकसभा में मिली हार के बावजूद राज्य में उसकी पकड़ कमजोर नहीं पड़ी है। महाकुंभ जैसे आयोजनों का सफल प्रबंधन, और धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के जरिये सामाजिक ध्रुवीकरण को बनाए रखने की कोशिशों ने भी भाजपा के जनाधार को फिर से मजबूत करने में भूमिका निभाई। इसके साथ ही महिलाओं, किसानों और गरीब वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाओं ने भी सरकार विरोधी लहर को थामने में मदद की। इन प्रयासों का सीधा असर विधानसभा उपचुनावों के नतीजों में भी देखने को मिला, जहाँ भाजपा ने कई सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए यह साबित करने की कोशिश की कि लोकसभा का जनादेश एक अस्थायी घटना थी, स्थायी बदलाव नहीं।

स्वदेश कुमार

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# परात्पर ब्रह्म की आह्लादिका ऊर्जा के प्राकट्य की शाश्वत्त तिथि राधाष्टमी

राधाष्टमी का पर्व मात्र एक लौकिक जन्मोत्सव नहीं, वरन चिन्मय सत्ता की ।दिनी शक्ति के इस धराशून्यता में प्राकट्य की शाश्वत तिथि है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को अनुराधा नक्षत्र के मध्यकाल में वृषभानुपुर (रावल अथवा बरसाना) की यज्ञभूमि से सम्भूत महाभाव स्वरूपा श्री राधा का प्रादुर्भाव वैष्णव दर्शन का वह चरमोत्कर्ष है, जहां ब्रह्म अपनी ही आह्लादिका शक्ति से सुशोभित होकर पूर्णत्व को प्राप्त करता है। ऐतिहासिक शोध, पुरातात्विक अन्वेषण और वैदिक सनातन वांग्मय के गम्भीर परिशीलन से यह स्वतः सिद्ध होता है कि राधा तत्त्व कोई अवार्चीन अथवा मध्यकालीन कल्पना नहीं है, अपितु श्रुतियों, उपनिषदों और पुराणों के गर्भ में निहित वह परम गुह्य सत्य है, जो जीव को शिवत्व की ओर और आत्मा को परमात्मा की ओर उन्मुख करता है। आधुनिक पाश्चात्य और वामपंथी समीक्षक प्रायः यह भ्रम फैलाने का कुत्सित प्रयास करते हैं कि ऋग्वेद या प्राचीन संहिताओं में राधा का अस्तित्व नहीं है। किन्तु यह उनकी संकीर्ण भाषाई और तात्त्विक अज्ञता का परिचायक है। ऋग्वेद की विभिन्न संहिताओं में राधा शब्द का प्रयोग केवल धन या भौतिक समृद्धि के अर्थ में नहीं, अपितु आध्यात्मिक सिद्धि और ईश्वरीय अनुग्रह के साक्षात विग्रह के रूप में हुआ है। ऋग्वेद के सूक्तों में जहां- जहां ह्लराधस२ शब्द का उद्घोष हुआ है, वहां वह चेतना की उस तुरीय अवस्था को इंगित करता है, जहां जीव परमात्मा के रस से आप्लावित होता है। सामवेद की कौथुमीय शाखा के कतिपय मन्त्रों के रहस्यपरक भाष्यों में स्पष्ट है कि कृष्ण यदि गान हैं, तो राधा उसकी स्वर लहरी हैं। बिना राधा के कृष्ण का सामगान सम्भव ही नहीं है। वेदान्त के उत्तर भाग में उपनिषदों का स्थान सर्वोपरि है। अथर्ववेद से सम्बद्ध गोपालतापिन्युपनिषद और विशेष रूप से राधोपनिषद (पुरुषबोधिन्युपनिषद) राधा तत्त्व की प्राचीनता के प्रखर प्रमाण हैं।

राधोपनिषद का यह मन्त्र द्रष्टव्य है-

यस्या रेणुं पादपद्मजं ब्रह्मविष्णुशिवादिभिः।
वंदे राधानखालोकं कृष्णप्रिया परात्मनः।।

अर्थात- जिनके चरण कमलों की धूलि को ब्रह्मा, विष्णु और शिव अपने मस्तक पर धारण करते हैं, उन कृष्णप्रिया परात्मिका राधा के नख ज्योति की मैं वन्दना करता हूं। यह मन्त्र सिद्ध करता है कि राधा केवल एक गोपी मात्र नहीं, अपितु सृष्टि की मूलाधार शक्ति हैं।

पुराणों को इतिहास और वेदों का उपबृंहण माना गया है। अठारह महापुराणों में से अनेक प्रधान पुराणों में राधाष्टमी की तिथि, व्रत, विधान और राधा तत्त्व का विस्तृत विवेचन प्राप्त होता है। पद्म पुराण के ब्रह्मखण्ड के सातवें अध्याय में, जिसका शीर्षक ही राधाष्टमी माहात्म्य है, इस तिथि की महिमा का विशद वर्णन है। ब्रह्मा नारद से कहते हैं कि जो मनुष्य भाद्रपद शुक्ल अष्टमी को राधा के निमित्त व्रत रखता है, वह संसार के समस्त बन्धनों से मुक्त होकर गोलोक धाम को प्राप्त करता है।

पद्म पुराण का स्पष्ट निर्देश है-

आविर्भूता यतो देवी तस्मात सा तद्रूपिणी।
भाद्रे मासि सिते पक्षे अष्टमी संगताऽनुराधा।।

अर्थात- भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अनुराधा नक्षत्र युक्त अष्टमी को साक्षात ह्लादिनी शक्ति धरा पर अवतरित हुईं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के कृष्णजन्म खण्ड और प्रकृति खण्ड में राधा को कृष्ण की अर्द्धांगिनी, मूलप्रकृति और गोलोक की स्वामिनी के रूप में निरूपित किया गया है। इस पुराण के अनुसार गोलोक में संकर्षण (सुदामा) के शापवश जब राधा का भू मण्डल पर अवतरण निश्चित हुआ, तब वे राजा वृषभानु की यज्ञभूमि में एक दिव्य कमल दल पर शिशु रूप में प्रकट हुईं। यहां भी भाद्रपद शुक्ल अष्टमी को ही उनके प्राकट्य का शाश्वत दिवस स्वीकार किया गया है।

श्रीदेवी भागवत महापुराण के नवम स्कन्ध में स्पष्ट उल्लेख है कि नारायण के दक्षिण भाग से महालक्ष्मी और वाम भाग से राधा का प्राकट्य हुआ। स्कन्द पुराण के वैष्णव खण्ड में भागवत माहात्म्य के अन्तर्गत शुकदेव मुनि के मौन का कारण समझाते हुए कहा गया है- आत्मा तू राधिका तस्य अर्थात राधा श्रीकृष्ण की आत्मा हैं। जिज्ञासुओं और आलोचकों का सबसे बड़ा संशय यही रहता है कि यदि राधा इतनी प्रधान थीं, तो व्यास रचित श्रीमद्भागवत पुराण में उनका नाम प्रत्यक्ष रूप से क्यों नहीं आया? इस संशय का निवारण सनातन मनीषियों ने बडे. तार्किक और मनोवैज्ञानिक धरातल पर किया है।

शुकदेव महाराज परम विरक्त और महाभाव के ज्ञाता हैं। श्रीमद्भागवत के दशम स्कन्ध के रासपंचाध्यायी में जहां गोपियों का वर्णन आता है, वहां शुकदेव जानते थे कि यदि उन्होंने राधा नाम का एक बार भी उच्चारण कर दिया, तो वे महाभाव की अन्तर्दशा (भाव समाधि) में चले जाएंगे। राजा परीक्षित के पास जीवित रहने के लिए केवल सात दिन का समय था। यदि शकदेव जी समाधिस्थ हो जाते, तो परीक्षित का मोक्ष रुक जाता। अतः लोक कल्याणार्थ उन्होंने नाम को गुप्त रखा, किन्तु लक्षणा वृत्ति से उसे सर्वत्र समाहित किया। श्रीमद्भागवत के दशम स्कन्ध के 30वें अध्याय का 28वां श्लोक इस सत्य की घोषणा करता है-

अनयाराधितो नूनं भगवान्‍ हरिरीश्वरः।
यन्नो विहाय गोविन्दः प्रीतो यामनयद्रहः।।

जब कृष्ण रासमण्डल से अन्तर्धान होकर एक विशेष गोपी को साथ लेकर सघन वन में चले जाते हैं, तब अन्य गोपियां उनके चरण चिह्नों को देखकर कहती हैं- निश्चित ही इस गोपी ने भगवान श्रीहरि की सर्वाधिक आराधना की है, तभी गोविन्द हमें छोड़कर इन्हें एकान्त में ले गए हैं। यहां प्रयुक्त आराधितो शब्द ही व्याकरण और व्युत्पत्ति की दृष्टि से राधा शब्द का जनक है। राधा तत्त्व केवल पुराणों तक सीमित नहीं है। भारत के प्राचीन शिलालेख, अभिलेख और काव्य ग्रन्थ इसके ऐतिहासिक प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। सातवाहन वंशीय राजा हाल द्वारा प्रथम शताब्दी ईस्वी में प्राकृत भाषा में संकलित ग्रन्थ गाथा सप्तशती में एक श्लोक आता है, जहां कृष्ण के मुख पर राधिका के चरण धूलि के उड़ने का वर्णन है-

मुखमारुतेन तं कण्ह गोरअं राधिकाअ अवणअन्तो... ।

यह श्लोक प्रमाणित करता है कि ईसा की प्रथम शताब्दी में भी लोक मानस में राधा और कृष्ण की लीलाएं पूर्णतः प्रतिष्ठित थीं और समाज उन्हें पूजता था।

नवमी शताब्दी के महान आचार्य आनन्दवर्धन ने अपने ग्रन्थ ध्वन्यालोक में और भट्ट नारायण ने वेणीसंहार नाटक में राधा की स्तुति की है। यह जयदेव के गीतगोविन्दम्‍ (12वीं शताब्दी) से सदियों पूर्व का काल है, जो इस वामपंथी मत का खण्डन करता है कि राधा का आविष्कार जयदेव ने किया था। वैष्णव दर्शन, विशेषकर निम्बार्क सम्प्रदाय और गौड़ीय वैष्णव दर्शन में, राधा और कृष्ण के सम्बन्ध को अचिन्त्य भेदाभेद और द्वैताद्वैत के सिद्धान्त पर आधृत माना गया है।

वेदान्त के अनुसार सच्चिदानन्द ब्रह्म की तीन मुख्य शक्तियां हैं-

सद् अंश अर्थात सन्धिनी शक्ति - जिससे अस्तित्व का विस्तार होता है।

चित अंश अर्थात संवित शक्ति - जिससे ज्ञान का उदय होता है।

आनन्द अंश अर्थात ह्लादिनी शक्ति - जिससे रस और प्रेम की निष्पत्ति होती है।

श्री राधा श्रीकृष्ण की इसी ह्लादिनी शक्ति का घनीभूत विग्रह हैं। जैसे अग्नि से उसकी दाहिका शक्ति (गर्मी) और सूर्य से उसकी प्रभा (प्रकाश) पृथक नहीं की जा सकती, वैसे ही कृष्ण से राधा को पृथक नहीं किया जा सकता। राधाष्टमी इसी आनन्दमयी शक्ति के भूतल पर अवतरण का पर्व है। तात्त्विक दृष्टि से विचार करने पर श्रीकृष्ण विषय हैं और राधा आश्रय हैं। जीव जब तक आश्रय-शक्ति (राधा) की शरण नहीं लेता, तब तक वह विषय ब्रह्म (कृष्ण) को प्राप्त नहीं कर सकता। राधाष्टमी का व्रत जीव के भीतर उसी आश्रय भाव को जगाने का उपक्रम है। यह पर्व हमें सिखाता है कि भक्ति जब अपनी पराकाष्ठा पर पहुंचती है, तो वह स्वयं महाभाव का रूप ले लेती है।

वैदिक संहिताओं, उपनिषदों, पुराणों और पुरातात्विक साक्ष्यों के गहन अध्ययन से यह अकाट्य रूप से सिद्ध होता है कि राधाष्टमी सनातन धर्म का एक अति प्राचीन, वैज्ञानिक और तात्त्विक महापर्व है। राधा कोई काल्पनिक रूपक नहीं, वरन परात्पर ब्रह्म की वह आह्लादिका ऊर्जा हैं, जिसके बिना सम्पूर्ण सृष्टि नीरस और गतिहीन है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी का यह पावन दिवस हमें इसी शाश्वत सत्य से जोड़ता है कि प्रेम ही ईश्वर है और उस प्रेम की सर्वोच्च परिणति ही श्री राधा हैं।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## सूडोकु नवताल- 7638

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | | | | | 7 | | | |
| | | 8 | 2 | | | | 7 | 5 |
| | 4 | | | 3 | | | | 6 |
| | 7 | 1 | | | 2 | | 5 | |
| 8 | | | | 4 | | | | 3 |
| | 2 | | 8 | | | 9 | 6 | |
| 2 | | | | 8 | | | 3 | |
| 4 | 3 | | | | 9 | 8 | | |
| | | | 3 | | | | | 9 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 7637 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 6 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 2 |
| 1 | 5 | 2 | 8 | 3 | 7 | 4 | 6 | 9 |
| 9 | 3 | 8 | 2 | 6 | 4 | 7 | 1 | 5 |
| 8 | 6 | 4 | 7 | 9 | 1 | 5 | 2 | 3 |
| 5 | 2 | 7 | 3 | 4 | 6 | 9 | 8 | 1 |
| 3 | 9 | 1 | 5 | 8 | 2 | 6 | 7 | 4 |
| 2 | 7 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 4 | 6 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 7 | 3 | 2 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 6 | 2 | 9 | 1 | 5 | 7 |

## दैनिक पंचांग

19 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति




| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कन्या में | कन्या | 05.39 बजे से |
| चंद्र | धनु में | तुला | 07.54 बजे से |
| मंगल | कर्क में | वृश्चिक | 10.09 ब.से |
| बुध | कन्या में | धनु | 12.25 बजे से |
| गुरु | कर्क में | मकर | 14.30 बजे से |
| शुक्र | तुला में | कुंभ | 16.16 बजे से |
| शनि | मीन में | मीन | 17.49 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मेष | 19.20 बजे से |
| केतु | सिंह में | वृष | 21.00 बजे से |
| | | मिथुन | 22.58 बजे से |
| | | कर्क | 01.11 बजे से |
| | | सिंह | 03.27 बजे से |

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

**शनिवार** 2026 वर्ष का 262 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद।
**विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948
**मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** अष्टमी 15.27 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** मूल 01.43 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** आयुष्मान 14.29 बजे को समाप्त।
**करण** बव 15.27 बजे तदनन्तर बालव 04.41 बजे प्रात: को समाप्त।
**चन्द्रायु** 07.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 01° 33'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872837
**जूलियन दिन** 2461302.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 07
**विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, गौरी विसर्जन, दधीचि जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से | 07.23 बजे तक | लाभ | 05.37 से | 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | उद्वेग | 07.10 से | 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 से | 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 से | 11.46 बजे तक | अमृत | 10.14 से | 11.47 बजे तक |
| चर | 11.46 से | 01.14 बजे तक | चर | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 से | 02.42 बजे तक | रोग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 से | 04.10 बजे तक | काल | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| काल | 04.10 से | 05.37 बजे तक | लाभ | 04.23 से | 05.56 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

# निमाड़ की सदियों पुरानी साँस है निमाड़ी

भाषा तब नहीं मरती जब उसके शब्द चुक जाते हैं; वह तब सूखने लगती है, जब लोग अपनी ही बोली बोलने में संकोच करने लगते हैं। इसलिए 19 सितंबर का निमाड़ी दिवस कोई तारीख भर नहीं, निमाड़ के स्वर को पहचानने और स्वाभिमान से जीने का दिन है। नर्मदा की लहरों से खेतों की मेड़ों तक, महेश्वर के घाटों से गाँव की चौपालों तक निमाड़ी केवल संवाद नहीं–मिट्टी में रची जीवन-दृष्टि है। अखिल निमाड़ लोक परिषद (अनिलोप) की पहल से जुड़ा यह दिवस किसी बोली को सम्मान देने भर का अवसर नहीं, बल्कि उस लोक-संस्कृति को नमन है, जिसने इतिहास, पुरातत्व, अध्यात्म और लोकजीवन को पीढ़ियों से सांस्कृतिक सूत्र में बाँधे रखा है। निमाड़ की स्मृति जब बोलती है, तो उसकी सबसे आत्मीय आवाज निमाड़ी में सुनाई देती है।

प्राचीन अनूप जनपद (जो नर्मदा घाटी के आसपास फैला था) से आज के खरगोन, खंडवा, बड़वानी और बुरहानपुर तक फैला निमाड़ भू-भाग नहीं, इतिहास और लोकजीवन का संगम है, जहाँ सदियों की स्मृतियाँ साँस लेती हैं। यहाँ नर्मदा केवल नदी नहीं, रेवा है; महेश्वर केवल नगर नहीं, प्राचीन महिष्मती की स्मृति है; और ओंकारेश्वर-मांधाता केवल तीर्थ नहीं, आस्था और पुराकथाओं के केंद्र हैं। महेश्वर-नवदाटोली (नावड़ाटोली) के पुरातात्त्विक अवशेष नर्मदा घाटी की ताम्रपाषाणकालीन सभ्यता की गहराई और निरंतरता के साक्षी हैं। इसी धरती पर आर्य और अनार्य सांस्कृतिक धाराएँ मिलीं और विशिष्ट लोकसंस्कृति आकार पाई, जिसमें गणगौर के गीतों की गूँज, भागोरिया हाट का उल्लास, कलगी-तुर्रा की स्वर-स्पर्धा और नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा एक सांस्कृतिक आत्मा में घुल गए–यही निमाड़ है, जहाँ इतिहास मिट्टी में, लोक स्मृति में और संस्कृति जीवन की धड़कन में जीवित है।

निमाड़ी की पहचान केवल उसके शब्दों में नहीं, उन शब्दों से निकलती अपनी विशिष्ट ध्वनि में भी बसती है। शौरसेनी अपभ्रंश से जुड़ी इसकी भाषिक जड़ें राजस्थानी भाषा-परिवार और पश्चिमी हिंदी अंचल से संवाद करती हैं, तो मालवी, गुजराती, भीली और खानदेशी के संपर्क ने इसके शब्द-संसार को समृद्धि दी। विलंबित ह्यअ२ह्न और प्राचीन ह्यळह्न जैसी ध्वन्यात्मक विशेषताएँ निमाड़ी को अलग पहचान देती हैं; ह्यमन२ह्न, ह्यमख२ह्न, ह्यकाजळह्न, ह्यडोळोह्न जैसे शब्द केवल बोले हुए शब्द नहीं, निमाड़ की मिट्टी, स्मृति और संवेदना की आवाज हैं। 2011 की जनगणना में लगभग 23 लाख लोगों ने निमाड़ी को अपनी मातृभाषा बताया। यह आँकड़ा इसके सामाजिक विस्तार को भले न समेट पाए, लेकिन इतना कहता है कि निमाड़ी किसी सीमित गाँव की बोलचाल नहीं, एक व्यापक लोकसमुदाय की जीवित और अपनी पहचान बोलती हुई भाषा है।

निमाड़ी का सबसे बड़ा साहित्य वह है, जो कागज पर उतरने से पहले लोकस्मृति में रचा गया। संत सिंगाजी के निर्गुण भजनों से खेतों के श्रमगीतों तक, सोहर से ऋतुगीतों तक, विवाह-धार्मिक गीतों से व्रतकथाओं तक–हर विधा में निमाड़ के जीवन का अनुभव और लोकस्मृति सुरक्षित है। पशु-पक्षियों की लोककथाएँ नीति-व्यवहार का बोध कराती हैं, तो लोकोक्तियाँ मौसम, पर्यावरण, श्रम और सामाजिक संबंधों का लोकज्ञान सँजोए हैं, जिसे पुस्तकालय में नहीं, जीवन में पढ़ा गया है। ह्यसदा नीरा, हर२ पीरा। गाँव मुलुक, म२ जड़२ हीराह्न जैसी पंक्तियाँ लोकबुद्धि की विरासत हैं, जिनमें साधारण शब्दों में असाधारण जीवन-दृष्टि छिपी है और जिसे आधुनिक ज्ञान की भाषा में समझने की जरूरत है। संत परंपरा, चित्रकला, लोकनृत्य और नर्मदाष्टक जैसी अभिव्यक्तियाँ इस संसार को विस्तार देती हैं–मानो निमाड़ी साहित्य किताबों से अधिक लोगों की आवाज, स्मृति और जीवन-पद्धति में जीवित हो।

निमाड़ी की असली ताकत बड़े शब्दों में नहीं, छोटी आत्मीयताओं में है, जहाँ भाषा रिश्ते में बदल जाती है। खेत से लौटते किसान का संबोधन, देहरी पर बुजुर्गों की कहावत और दूर मुंबई या भोपाल में बसे किसी निमाड़ी का माँ से कहना–ह्यभला तोह्न–मिट्टी से जुड़ाव जगा देता है। जन्म से विवाह तक निमाड़ी गीतों की मौजूदगी सांस्कृतिक निरंतरता की साक्षी है। कलगी-तुर्रा जैसी लोकपरंपराएँ मनोरंजन नहीं, सामुदायिक संवाद और स्मृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने वाली लोक-संस्थाएँ हैं। संत सिंगाजी से आधुनिक निमाड़ी साहित्य तक की यात्रा बताती है कि भाषा ने रूप बदले, पर आत्मा नहीं छोड़ी। महादेव प्रसाद चतुर्वेदी का ह्यअम्मर बोलह्न निमाड़ी साहित्य की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं रामनारायण उपाध्याय जैसे विद्वानों ने निमाड़ी के क्षेत्र और साहित्यिक वैभव को दस्तावेजी रूप देने में योगदान दिया।इसलिए निमाड़ी दिवस को केवल सांस्कृतिक आयोजन, सम्मान समारोह या स्मरण का दिन मानना पर्याप्त नहीं। अखिल निमाड़ लोक परिषद 1953 से निमाड़ी के उत्थान से जुड़ी है और 2001 से चली सम्मान परंपरा में सैकड़ों कलाकारों, साहित्यकारों और लोक-कलाकारों को सम्मानित किया गया है। निमाड़ी-हिंदी शब्दकोश और व्याकरण भाषा को अध्ययन, लेखन और संरक्षण की जमीन देते हैं। अब जरूरत है कि मानकीकरण के साथ क्षेत्रीय विविधताओं की अस्मिता भी बची रहे। साहित्य, शिक्षा, शोध, डिजिटल माध्यम, ऑडियो-वीडियो अभिलेखन और नई पीढ़ी के रचनात्मक प्रयोगों में निमाड़ी की उपस्थिति बढ़े–तभी वह विरासत में मिली भाषा भर नहीं, आने वाली पीढ़ियों की अपनी आवाज बनकर बोलेगी।

आज की बड़ी चुनौती है कि शिक्षा, प्रशासन और रोजगार में हिंदी-अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ रहा है। यह निमाड़ी के लिए चुनौती जरूर है, पर संभावना भी–क्योंकि बहुभाषिक समाज में मातृभाषा और संपर्क-भाषा साथ फल सकती हैं। निमाड़ी को बचाना हिंदी या अंग्रेजी से दूरी नहीं, जड़ों से नाता बनाए रखना है। नर्मदा, नीम, खेत, लोकगीत, औषधीय परंपरा और पर्यावरणीय अनुभवों से बुना इसका शब्द-संसार आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का भंडार है। इसलिए 19 सितंबर का संदेश सीधा है–निमाड़ी को संग्रहालय में सुरक्षित करने से अधिक जरूरी है उसे घर में बोलना, विद्यालय में सुनाना, साहित्य में रचना और डिजिटल दुनिया में जिलाए रखना। जिस दिन अगली पीढ़ी बिना संकोच कहेगी–ह्यअपनी-अपनी निमाड़ी सबसे प्यारी–उस दिन निमाड़ी दिवस केवल मनाया नहीं जाएगा, अपनी मिट्टी की आवाज बनकर जिया जाएगा।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त खबरें

### एवीजीसी क्षेत्र को 2030 तक लगभग 2 मिलियन कुशल पेशेवरों की आवश्यकता - डॉ. एल. मुरुगन

नई दिल्ली, (एजेंसी) :सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने शुक्रवार को कहा कि फिल्म, संगीत, गेमिंग, एनीमेशन, डिजाइन, प्रकाशन, विज्ञापन और डिजिटल सामग्री सहित क्षेत्र रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर पैदा कर रहे हैं। एवीजीसी क्षेत्र को 2030 तक लगभग 2 मिलियन कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी।

डॉ. मुरुगन ने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में रकानून, नीति और रचनात्मक अर्थव्यवस्थार विषय पर जिंदल नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रचनात्मक अर्थव्यवस्था वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 3.1 प्रतिशत और वैश्विक रोजगार में 6.2 प्रतिशत का योगदान देती है, अनुमानित 57 मिलियन भारतीय पहले से ही सांस्कृतिक और रचनात्मक व्यवसायों में काम कर रहे हैं। भारत की मीडिया और मनोरंजन अर्थव्यवस्था 2.5 ट्रिलियन रुपये है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान और एवीजीसी क्रिएटर लैब्स के लिए समर्थन की घोषणा की है।

मुरुगन ने इस बात पर जोर दिया कि रचनात्मक अर्थव्यवस्था के विकास को समुचित कानूनी और नीतिगत ढांचे द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए, जिसमें कॉपीराइट सुरक्षा, रचनाकारों के लिए उचित मुआवजा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जिम्मेदार उपयोग शामिल है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे मान्यताओं और संस्थानों पर सम्मान, तर्क और साक्ष्य के साथ सवाल उठाएं और 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अपने विचारों और कौशल का योगदान दें।

### यूएई के राष्ट्रपति ने मोदी से फोन पर की बात, पश्चिम एशिया में शांति-स्थिरता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई

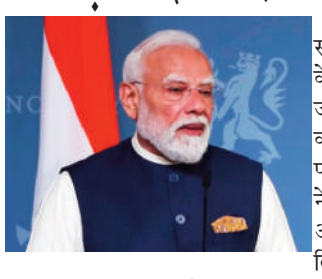

नई दिल्ली, (एजेंसी) : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सहयोग और समन्वय की प्रतिबद्धता दोहराई।

मोदी ने एक्स पोस्ट में बताया कि यूएई के राष्ट्रपति ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नए उपायों पर चर्चा भी की। बातचीत के दौरान ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी, निवेश और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ।

यूएई के राष्ट्रपति ने भारत की सफल ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान की भागीदारी तथा भारत की अध्यक्षता में सम्मेलन के ठोस परिणाम हासिल करने में यूएई के सहयोग और साझेदारी की सराहना की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सहयोग और समन्वय की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

### अमेरिकी प्रतिबंध कानून के भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभाव को लेकर अमेरिका से बात की : जायसवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी) :भारत ने अमेरिका के ह्यलिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026ह्ल के संभावित प्रभावों को लेकर अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर अपनी चिंताएं साझा की हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समग्र भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ सकता है।जायसवाल ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय की द्विसाप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस कानून से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि भारत पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर यह बात रख चुका है कि प्रस्तावित कानून के क्या-क्या प्रभाव हो सकते हैं।उन्होंने कहा, ह्लहमने पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ स्तर पर यह बात रखी है कि इस कानून के भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समग्र संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं।प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल इस मामले में उनके पास इससे अधिक कुछ कहने के लिए नहीं है।अमेरिकी काग्रेस ने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026 को मंजूरी दी है। यह कानून रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने समेत रूस और ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों का प्रावधान करता है।

### नंदीग्राम उपचुनाव : ममता बनर्जी ने किया कांग्रेस को समर्थन का ऐलान, चुनाव आयोग पर साधा निशाना

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की घोषणा की है। यह एलान उनको इसलिए करना पड़ा क्योंकि ममता गुट की अपनी उम्मीदवार संचित प्रधान दे ने इस अहम चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि उनका गुट नंदीग्राम से अब कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगा। उन्होंने इस कदम को भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ 'इंडी' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) के प्रति एकजुटता के रूप में पेश किया है।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, हम मजबूती से लड़ने के लिए तैयार हैं। मैं चाहती हूं कि भाजपा भारत से जाए। हमारी पूरी एकजुटता इंडी गठबंधन के साथ है। उन्होंने यह भी बताया कि इस फैसले से पहले उनकी विपक्षी गठबंधन के अन्य नेताओं के साथ बातचीत हुई थी। गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें फोन किया था और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी समर्थन का संदेश भेजा था। उल्लेखनीय है कि, आगामी छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव से ठीक पहले ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान दे ने अचानक अपना नामांकन वापस ले लिया। उनका यह फैसला राज्य सचिवालय नवान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ हुई एक मुलाकात के बाद आया।

हालांकि, सूत्रों ने शुरूआत में इसे शिष्टाचार भेंट बताया था, लेकिन चूंकि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम के पूर्व विधायक और ममता बनर्जी के प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए इस मुलाकात ने कई राजनीतिक सवाल खड़े कर दिए।

# जनसुनवाई और जन-विश्वास शिविर बड़ी योजनाओं जितने ही महत्वपूर्ण, लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी : सिंधिया

गुना, (एजेंसी) :केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हर शुक्रवार प्रदेश के सभी जिलों में शासन-प्रशासन द्वारा सेवा ही संकल्प की भावना के साथ जनता की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई और जन-विश्वास शिविर बड़ी योजनाओं जितने ही महत्वपूर्ण हैं। प्राप्त आवेदनों का गंभीरता और तत्परता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शुक्रवार को मध्य प्रदेश के गुना जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत बरखेड़ागिर्द में आयोजित शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ड्रोन दीदी के माध्यम से आधुनिक तकनीक आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। किरण द्वारा ड्रोन संचालन का प्रदर्शन इसका उदाहरण है। शिविर में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि कैंट चौराहे से गुलाबगंज तक सड़क का डीपीआर तैयार हो चुका है। लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

सिंधिया ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियानह्लह्ल के अंतर्गत बरखेड़ागिर्द में विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया तथा जन-विश्वास शिविर में शामिल होकर आमजन की समस्याएं सुनीं। शिविर में ई-केवाईसी, आधार, स्वास्थ्य सहित विभिन्न सेवाओं की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। वहीं ग्राम पगारा की ड्रोन दीदी किरण अहिरवार ने ड्रोन संचालन का प्रदर्शन कर आधुनिक तकनीक के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने की मिसाल प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रदेश के खाद्य मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत भी उपस्थित थे।केंद्रीय मंत्री ने सबसे पहले बरखेड़ागिर्द स्थित राशन दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने राशन वितरण की पूरी प्रक्रिया को समझा तथा व्यवस्था को इसी प्रकार व्यवस्थित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने बरखेड़ागिर्द आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां बच्चों से संवाद किया और गर्भवती माताओं को पोषण आहार किट वितरित की।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्राम पगारा की ड्रोन दीदी किरण अहिरवार से संवाद किया। किरण अहिरवार वर्मी कंपोस्ट, जैविक खेती और नमो ड्रोन के माध्यम से लगभग 12-15 हजार रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही हैं। वह अब मास्टर ट्रेनर के रूप में लगभग 125 से अधिक किसानों को जैविक खेती की बारीकियां सिखा रही हैं। इस दौरान उन्होंने ड्रोन उड़ाकर उसका डेमोस्ट्रेशन भी दिया।बरखेड़ागिर्द में आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनियां लगाई गईं। साथ ही स्वास्थ्य कैंप, ई-केवाईसी, आधार सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर पंजीयन कराया और अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

शिविर में बलवीर सिंह ने सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने की समस्या बताई। मौके पर प्रकरण की जांच करने पर उनकी ई-केवाईसी पूर्ण नहीं पाई गई। तत्काल ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराई गई तथा बैंक स्टेटमेंट की प्रिंट निकालकर उन्हें बताया गया कि उनके खाते में राशि जारी हो चुकी है। इसी प्रकार अन्य कई प्रकरणों का भी मौके पर निराकरण किया गया। शेष समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को शिविर में हितग्राहियों से संवाद करते हुए कहा कि देश की आबादी को आगे बढ़ने और अपनी क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिलेगा, तभी देश पूरी क्षमता के साथ विकास कर सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता देते हुए अनेक योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए हैं। मंच पर महिलाओं द्वारा साझा की गई प्रेरक कहानियां महिला सशक्तिकरण और बदलाव की तस्वीर को स्पष्ट रूप से सामने रखती हैं।केन्द्रीय मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई हितग्राही एवं योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

## पंजाबियों को उड़ता पंजाब नहीं, उभरता पंजाब चाहिए : नितिन नवीन

**- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पठानकोट से शुरू की पहली नशा मुक्त पंजाब यात्रा**

चंडीगढ़, (एजेंसी) :भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को पठानकोट से पहली 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ह्यभाजपा का नारा, नशा मिटाना साराह्ल के संकल्प के साथ शुरू हुई यह नशा मुक्त यात्रा 30 सितंबर को जालंधर में समाप्त होगी।

इस अवसर पर नितिन नवीन ने नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लडने का आह्वान किया। केसरी दस्तार सजाकर मंच पर पहुंचे नितिन नवीन ने कहा कि पंजाबियों को उड़ता पंजाब नहीं, उभरता पंजाब चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सत्ता के दम पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब करके पंजाब को नशे से बर्बाद किया, उनके खिलाफ निर्णायक लड़ाई लडने का समय आ गया है। नितिन नवीन ने कहा कि नशा पंजाब की पहचान या ताकत नहीं हो सकता। पंजाब की पहचान उसकी विरासत, विचार और नौजवान होनी चाहिए। पंजाब की पहचान गुरुओं की बाणी, किसानों के पसीने और खिलाडिय़ों के जज्बे से होती थी। पंजाब के लोग खुद नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

भारतीय जनता पार्टी की नशे के खिलाफ लड़ाई का मूल मंत्र साझा करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि नशा तस्करों पर वार करना, नशे के सप्लाई नेटवर्क को तोडना, ड्रग मनी जब्त करना, नशे के शिकार लोगों का पुनर्वास करना और समाज के सहयोग से नशे के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाना उनकी रणनीति का हिस्सा होगा। नितिन नवीन ने कहा कि देश में भाजपा जो संकल्प लेती है, उसे पूरा करती है। धारा 370 हटाने के संकल्प को पूरा करने के लिए लंबा संघर्ष किया गया तथा आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म किया गया।

पंजाब भाजपा के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह जुटान कोई राजनीतिक रैली नहीं है, बल्कि हम माताओं-बहनों का दुख बांटने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक लोक आंदोलन है, जिसके तहत हम 117 विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुसार अगले दो वर्षों में नशे को जड़ से खत्म करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनप्रीत सिंह बादल ने कहा कि आज पंजाब अपनी पहचान खोता जा रहा है। पंजाब की जो तस्वीर पहले हुआ करती थी, अब वह तस्वीर नहीं रही। अश्वनी शर्मा ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी से संबंधित ऐतिहासिक स्थल से यात्रा शुरू करके भाजपा ने नशे के खिलाफ लोक आंदोलन शुरू किया है। इसका बैनर राजनीतिक हो सकता है, लेकिन समस्या घर-घर की है।

## नौसैन्य जहाज टक्कर मामले में भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज किया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत ने अरब सागर में भारतीय युद्धपोत और पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज के बीच हुई टक्कर को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तानी सैन्य इकाइयों से भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने की चेतावनी भी दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान की ओर से आए जवाब पर आज अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का जवाब हमने देखा है। पड़ोसी देश की टालमटोल करने की आदत रही है और हमें इसी तरह के जवाब की उम्मीद थी। हम उसकी ओर से लगाए आरोप को सिरे से खारिज करते हैं। पाकिस्तान का आरोप था कि यह टक्कर पाकिस्तानी विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई।

प्रवक्ता जायसवाल ने एक बार फिर दोहराया कि आईएनएस कोलकाता पश्चिम अरब सागर में एक नियमित तैनाती पर था। पाकिस्तानी नौसेना के जहाज पीएनएस हुनैन ने समुद्र में अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके से बर्ताव किया। इसके परिणामस्वरुप टक्कर हुई। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि पूरे घटनाक्रम में आईएनएस कोलकाता को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और वह अभी भी समंदर में है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी जहाज खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने की पैंतरेबाजी कर रहा था। यह भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य समझौतों के विरुद्ध है। इन समझौतों में यह स्पष्ट है कि नौसेना इकाइयों को एक-दूसरे के तीन नॉटिकल मील के दायरे में नहीं आना चाहिए। इसके अलावा पाकिस्तानी जहाज में समुद्र में टक्कर रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों का भी उल्लंघन किया है।

उल्लेखनीय है कि अरब सागर में 15 सितंबर को आईएनएस कोलकाता और पीएनएस हुनैन के बीच हुई टक्कर पर भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब कर इस मामले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था और पाकिस्तानी जहाज के अस्वीकार्य आचरण पर कड़ी आपत्ति जताई थी। इसको लेकर पाकिस्तान का कहना था कि यह टक्कर पाकिस्तान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में भारतीय जहाज की उकसावे वाली और अस्वीकार्य कार्रवाई की वजह से हुई।

बीच समंदर में हुई इस घटना को इसलिए गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने अप्रैल 1991 में सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गलतफहमियों और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक समझौता किया था। इसके आर्टिकल 10 में दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों के

# सुरेंद्र कोली की मौत पर निठारी कांड की पीड़िता के पिता ने उठाए सवाल

**-पीड़िता के पिता का आरोप- कोली की हत्या हुई, पुलिस ने प्रथमदृष्टया आत्महत्या बताया**

नोएडा, (एजेंसी) : उच्चतम न्यायालय से निठारी कांड से जुड़े सभी मामलों में बरी होने के बाद जेल से रिहा हुए सुरेंद्र कोली की शुक्रवार को हरिद्वार में हुई मौत को लेकर एक पीड़ित परिवार ने सवाल उठाए हैं। निठारी कांड में मारी गई किशोरी ज्योति के पिता झब्बू लाल ने दावा किया है कि कोली ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले के मुख्य आरोपित मोनिंदर सिंह पंढेर ने सच सामने आने से रोकने के लिए कोली की हत्या कराई।

हालांकि, हरिद्वार पुलिस के अनुसार, कोली सप्त सरोवर रोड स्थित एक चाय की दुकान पर फंदे से लटका मिला। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की है और पुलिस के मुताबिक प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।मृतक ज्योति के पिता झब्बू लाल (64) ने कहा कि सुरेंद्र कोली की हत्या की गई है और उसने आत्महत्या नहीं की। उनकी बेटी ज्योति भी वर्ष 2006 में निठारी से लापता हुए बच्चों में शामिल थी।

झब्बू लाल ने सवाल उठाया कि यदि कोली मानसिक तनाव में था तो उसने जेल में रहते हुए आत्महत्या क्यों नहीं की और रिहाई के कई महीने बाद ऐसा कदम क्यों उठाया। उन्होंने कहा कि कोली के पास मामले से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हो सकती थी और इसी वजह से उसकी हत्या किए जाने का उन्हें संदेह है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी हत्या की पुष्टि नहीं की गई है।झब्बू लाल ने यह भी दावा किया कि निठारी मामले में कोली मुख्य गुनहगार नहीं था और उसके नियोक्ता मोनिंदर सिंह पंढेर को मुख्य आरोपित बताया। उन्होंने अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग करते हुए कहा कि परिवार लंबे समय से न्याय की लड़ाई लड़ रहा है।झब्बू लाल और उनकी पत्नी सुनीता (61) मूल रूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के रहने वाले हैं। करीब चार दशक पहले वे काम की तलाश में निठारी आए थे। लाल स्थानीय लोगों के कपड़े प्रेस कर परिवार का गुजारा करते हैं। उन्होंने सरकार से परिवार की मदद करने की अपील करते हुए कहा कि आर्थिक सहयोग के बिना उनके लिए आगे भी न्याय की लड़ाई जारी रखना मुश्किल है।

2006 में सामने आया था निठारी कांडनोएडा के सेक्टर-31 स्थित पंढेर की डी-5 कोठी के पास वर्ष 2006 में नाले और परिसर के पीछे से कंकाल, खोपड़ियां और मानव अवशेष मिलने के बाद निठारी कांड सामने आया था। इसके बाद बच्चों और युवतियों के लापता होने तथा हत्या के कई मामले सामने आए थे। घटना के बाद पूरे देश में व्यापक आक्रोश देखने को मिला था।

वर्ष 2006 में गिरफ्तारी के समय करीब 30 वर्षीय सुरेंद्र कोली को निठारी कांड से जुड़े कई मामलों में दोषी ठहराया गया था और उसे मृत्युदंड सुनाया गया था। हालांकि, बाद में वह मामले से जुड़े सभी 13 मामलों में बरी कर दिया गया। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2025 में अंतिम बचे मामले में भी उसे बरी कर दिया था।

15 वर्षीय किशोरी के कथित दुष्कर्म और हत्या से जुड़े अंतिम मामले में क्यूरेटिव याचिका स्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि आपराधिक कानून केवल अनुमान के आधार पर सजा की अनुमति नहीं देता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि गंभीर संदेह भी ठोस साक्ष्य का स्थान नहीं ले सकता और अपराधी की पहचान आवश्यक कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हुई थी।उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद कोली को नोएडा की लुक्सर जेल से रिहा कर दिया गया था। रिहाई के बाद वह हरिद्वार चला गया और वहां कुछ समय से रह रहा था तथा चाय की दुकान चला रहा था।

# अफ्रीका की खाद्य सुरक्षा के लिए थार की दलहनी फसलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने ली जानकारी

बीकानेर, (एजेंसी) : बदलती जलवायुवीय परिस्थितियों के बीच अफ्रीकी देशों में खाद्य सुरक्षा की संभावनाएं तलाशने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने थार के शुष्क क्षेत्रों में होने वाली मूंग, मोठ और अन्य दलहनी फसलों के अनुसंधान एवं जर्मप्लाज्म के बारे में जानकारी ली।

यूनाइटेड किंगडम के किर्क हाउस ट्रस्ट और विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू के तहत प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान आया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान, मोठ-मूंग सहित अन्य दलहनी फसलों और जर्मप्लाज्म से जुड़े कार्यों की जानकारी दी।किर्क हाउस ट्रस्ट के एसटीओएल कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पीएन माथुर ने कहा कि अफ्रीका के शुष्क क्षेत्रों में दलहनी फसलों की खेती सीमित है। जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों के सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में मोठ और मूंग बीन जर्मप्लाज्म साझा करने से खाद्य सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नई संभावनाएं बन सकती हैं।व्यवसायी आशीष अग्रवाल ने कहा कि बीकानेरी भुजिया ने बीकानेर को वैश्विक पहचान दिलाई और इससे रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि मारामा बीन पर हो रहा अनुसंधान किसानों और उद्यमियों के लिए उपयोगी हो सकता है। उद्यमी दीपक अग्रवाल ने कहा कि दाल आधारित प्रसंस्करण उद्योग पोषण सुरक्षा के साथ रोजगार और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में मददगार है।किर्क हाउस ट्रस्ट की सीईओ डॉ. क्लोडिया कैनल होलजैइस ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान बलजीत सिंह बिश्नोई, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. दीपाली धवन, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के डॉ. वीर सिंह, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विजय प्रकाश, डीन पीजी डॉ. राजेश वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल में यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका, नामीबिया, स्विट्जरलैंड और मेडागास्कर सहित अन्य देशों के कृषि अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी शामिल रहे।

## मानवाधिकार आयोग ने पलवल हादसे का लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने हरियाणा के पलवल में उस हादसे का स्वतः संज्ञान लिया है जहां एक बालिका की अपने घर के पास एक खुले मैनहोल में गिरकर मौत हो गई। आयोग ने पलवल के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौपने का निर्देश दिया है।प्रकाशित खबरों के अनुसार पलवल में अपने घर के पास खेलते समय एक चार वर्षीय बालिका खुले मैनहोल में गिर गई। परिवार और स्थानीय निवासियों ने मैनहोल से निकालकर उसे गंभीर हालत में जिला सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासियों ने संबंधित अधिकारियों से कई शिकायतें करने के बावजूद मैनहोल खुला ही रहा। आयोग ने रिपोर्ट में जांच की स्थिति और मृतक के परिजनों को दिए गए मुआवजे (यदि कोई हो) का विवरण शामिल करने का निर्देश दिया है।

## श्रीगंगानगर-समस्तीपुर के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे श्रीगंगानगर और समस्तीपुर के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन करेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 04731 श्रीगंगानगर-समस्तीपुर साप्ताहिक स्पेशल 18 अक्टूबर से 29 नवंबर 2026 तक (कुल सात ट्रिप) प्रत्येक रविवार को श्रीगंगानगर से 13.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 23.15 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04732 समस्तीपुर-श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल 20 अक्टूबर से 1 दिसंबर 2026 तक (कुल सात ट्रिप) प्रत्येक मंगलवार को समस्तीपुर से 00.45 बजे रवाना होकर अगले दिन 12.20 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन सादुलशहर, हनुमानगढ़, संगरिया, मंडी डबवाली, रामां, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार, हांसी, रोहतक, दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

19-09-2026 T.P. Page 8_Layout 1 19-09-2026 09:07 Page 1

## 'हीरोइन' नहीं, दमदार अभिनेत्री के रूप में बनाना चाहती हूं पहचान

अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आईं। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी, थ्रिलर, ड्रामा और इमोशनल कहानियों में अलग-अलग तरह के भूमिका निभाने की कोशिश की। संदीपा का मानना है कि एक कलाकार की पहचान तभी मजबूत होती है, जब वह खुद को बार-बार अलग भूमिकाओं में आजमाने से न डरे। आईएएनएस संग बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ 'हीरोइन' कहलाना कभी मकसद नहीं रहा। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचानें, जो अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की काबिलियत रखती है। संदीपा ने कहा, ''मेरा फोकस हमेशा एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाने पर रहा है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि लोग मेरी एक्टिंग को नोटिस करें और मुझे अलग-अलग किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के तौर पर याद रखें। 'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।''

संदीपा ने कहा, ''मैंने फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। ओटीटी ने कलाकारों को ऐसा स्टेज दिया है, जहां वह अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते है। पहले जहां कलाकारों की एक खास इमेज बन जाने के बाद उन्हें उसी तरह के रोल ज्यादा मिलने लगते थे, वहीं ओटीटी पर अलग-अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी रेंज दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''खुशकिस्मती से मैं ओटीटी स्पेस का हिस्सा बनी और मुझे अपनी अलग-अलग खूबियां दिखाने का मौका मिला। दर्शकों ने भी मुझे बहुत प्यार दिया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी अलग-अलग किरदार निभाती रहूंगी और अपनी रेंज दिखाती रहूंगी।'' संदीपा धर की सीरीज 'चुंबक' का प्रीमियर 10 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ। जेडी मजेठिया और आतिश कपाड़िया की बनाई इस कॉमेडी-ड्रामा सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

# नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन 2' दिवाली पर मचाएगी धमाल

एक्ट्रेस नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मान 2' को लेकर फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। डायरेक्टर सुंदर सी. की इस डिवोशनल थ्रिलर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। मेकर्स ने सोमवार को बताया कि फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट के साथ ही फिल्म का रोमांचक टीजर भी जारी किया गया है। प्रोडक्शन हाउस वेल्स फिल्म इंटरनेशनल ने टीजर को 'राइज ऑफ महाशक्ति' नाम दिया है। इसे तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में जारी किया गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी। इसकी शुरुआत एक रहस्यमयी माहौल से होती है। एक सवार झरने से ढकी एक गुफा में पहुंचता है और अपनी रानी को आने वाले खतरे की खबर देता है। वह बताता है कि दुश्मन सैनिकों को पता चल चुका है कि बच्चा इसी जगह पर है और वे उसे ढूंढने के लिए यहां पहुंचने वाले हैं। इसके बाद कहानी का सबसे अहम हिस्सा सामने आता है। जिस बच्चे को दुश्मन सैनिक तलाश रहे हैं, वह कोई आम बच्चा नहीं बल्कि राजकुमार है। रानी के सामने अपने बच्चे को बचाने की चुनौती है, लेकिन उसके पास कोई रास्ता नहीं बचता। ऐसे में वह मूकुथी अम्मन देवी से मदद मांगती है। अपने बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए रानी देवी के सामने अपनी जान तक की कुर्बानी दे देती है। इसी बीच एक महिला की आवाज सुनाई देती है, जो कहती है कि उसे वह शख्स चाहिए, चाहे जिंदा मिले या मुर्दा। टीजर में एक ऐसे खतरनाक आदमी की झलक भी देखने को मिलती है, जिसके पास दूसरों को राख में बदल देने की ताकत है। इन सीन्स से साफ है कि फिल्म में सिर्फ आस्था और देवी की कहानी नहीं होगी, बल्कि इसमें सुपरनैचुरल ताकत, खतरा और एक बड़ा मिशन भी देखने को मिलेगा। इसके बाद कहानी अचानक आज के समय में पहुंच जाती है। यहां एक्ट्रेस देवी से बचाने की गुहार लगाते हैं। वह कहती है कि लोगों को पहले देवी की अहमियत समझ नहीं आई और अब उन्हें उनकी असली ताकत का एहसास हो गया है। इसके बाद टीजर में देवी के लौटने और बच्चे को बचाने की झलक दिखाई जाती है। पूरे टीजर को देखकर लगता है कि फिल्म की कहानी दो अलग-अलग समय में आगे बढ़ेगी और पुराने दौर की कहानी का कनेक्शन आज के समय से होगा। 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग पिछले साल ही पूरी हो चुकी है।

## अपकमिंग सीरीज 'वेटिंग हैं' में रेलवे कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए तैयार हैं दिव्येंदु

फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अभिनेता दिव्येंदु अब अपकमिंग सीरीज 'वेटिंग है' में रेलवे कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने इस स्कैम-बेस्ड कॉमेडी-ड्रामा का ट्रेलर जारी किया है। 'वेटिंग है' सीरीज के ट्रेलर में कन्फर्म रेलवे टिकट पाने के आम संघर्ष पर आधारित कहानी की झलक दिखाई गई है। पटना में सेट इस सीरीज की कहानी सुगम मिश्रा (दिव्येंदु) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रेलवे कॉन्स्टेबल के तौर पर अपनी नई नौकरी में जमने की कोशिश कर रहा है। कहानी में मोड़ तब आता है जब वह देखता है कि बुकिंग विंडो खुलने के कुछ ही सेकंड में रेलवे टिकट कन्फर्म हो जाते हैं। सुगम मामले की जांच शुरू करता है और जल्द ही अफरोज हम्सा (भुवन अरोड़ा) का पीछा करने लगता है। अफरोज एक टेक एक्सपर्ट है, जिसने टिकट बुकिंग सिस्टम का तोड़ निकाल लिया है। जो मामला शुरू में आसान लगता है, वह जल्द ही एक बड़े रैकेट में बदल जाता है। सुगम की पत्नी प्रिंसी (हर्षिता गौर) भी उसे मामले की गहराई से जांच करने के लिए कहती है। जैसे-जैसे सुगम सच्चाई के करीब पहुंचता है, अफरोज उससे आगे रहने की कोशिश करता है। परिवार और नौकरी के बीच तालमेल सीरीज के ट्रेलर में सुगम और उनकी पत्नी के बीच संघर्ष भी दिखता है। सुगम अपने परिवार और अपनी नौकरी के बीच तालमेल बिठाते हुए नजर आते हैं। सीरीज में कॉमेडी का डोज भी है। अपकमिंग सीरीज को लेकर दिव्येंदु ने कहा, 'सुगम की जिस बात ने मुझे आकर्षित किया, वह यह है कि वह कोई आम पुलिस वाला नहीं है जिसे सब कुछ पता हो। वह प्रोफेशनल तौर पर अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है और साथ ही अपनी पर्सनल और नई शादीशुदा जिंदगी की सच्चाइयों का भी सामना कर रहा है। यह बैलेंस उसे बहुत रिलेटेबल बनाता है। मुझे उसके इस पहलू को एक्सप्लोर करने में मजा आया।'

## 'शैतान' के बाद फिर से हॉरर फिल्म से जुड़े अजय

अजय देवगन ने एक बार फिर हॉरर की दुनिया में कदम रख दिया है। 'शैतान' की सफलता के बाद उन्होंने पैनोरमा स्टूडियोज के साथ अपनी अगली अनटाइटल्ड हॉरर थ्रिलर की शूटिंग शुरू कर दी है। इसका निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं। इसे अजय की कंपनी देवगन फिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। दोनों प्रोडक्शन हाउस इससे पहले 'शैतान' और 'रेड 2' जैसी फिल्मों पर साथ काम कर चुके हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। निर्देशक रोहित हाल ही में 'सरदार जी' फ्रेंचाइज के साथ-साथ सोनी लिव की 'चमक' और नेटफ्लिक्स की 'ये काली काली आंखें' जैसे प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे हैं। अलग-अलग जॉनर में काम कर चुके रोहित अब हॉरर और सस्पेंस की दुनिया तैयार करेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म का माहौल रहस्य, अंजाने डर और सस्पेंस पर आधारित होगा।

### बिजी शेड्यूल के बीच क्राइम शो भी होस्ट कर रहे अजय

दूसरी तरफ अजय ने टीवी पर भी अपना डेब्यू कर लिया है। वह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के चर्चित क्राइम शो 'क्राइम पेट्रोल: क्राइम का करंट सीजन' को होस्ट कर रहे हैं। अजय ने बताया कि उन्हें शो का सबसे दिलचस्प पहलू इसके वास्तविक अपराध मामलों से प्रेरित होना लगा है।

## 'डोंट बी शाय' को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं हैं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म 'डोंट बी शाई' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।' आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, '14 साल पहले मैंने फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं। क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है।' एक्ट्रेस ने आगे कहा: 'जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आई, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा।' श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डोंट बी शाय' 20 साल की लड़की श्यामिली 'शाइ' दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने जिंदगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है। इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

## 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के बाद मेरे पास स्क्रिप्ट्स की बाढ़ आ गई थी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी आज बॉलीवुड के सबसे बड़े कलाकारों में गिने जाते हैं। पहले फिल्मों में छोटे-मोटे रोल निभाने वाले अभिनेता ने कई फिल्मों में लीड रोल किया है। उन्होंने वर्षों तक छोटे-मोटे रोल किए और ऐसे रोल का इंतजार किया जो उनके करियर की दिशा बदल सके। यह टर्निंग पॉइंट 2012 में फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' से आया। इसमें फैजल खान के उनके किरदार ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास पहचान दिलाई। अब पीछे मुड़कर देखते हुए, एक्टर ने फिल्म के रिलीज होने के बाद आए बड़े बदलाव और अचानक मिले ढेर सारे ऑफर को कैसे संभाला, इस बारे में बात की है।

### आई थी स्क्रिप्ट की बाढ़

नवाजुद्दीन से पूछा गया कि किस फिल्म ने उन्हें पहली बार स्टार जैसा महसूस कराया। उन्होंने तुरंत 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' का नाम लिया और एनडीटी के साथ बातचीत में कहा 'बेशक, यह 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' ही है।' उन्होंने याद किया कि फिल्म को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स की वजह से उनके पास स्क्रिप्ट्स की बाढ़ आ गई थी।

### फैसलों को हावी नहीं होने दिया

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ''गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के रिलीज होने के बाद, मुझे कम से कम 200 स्क्रिप्ट्स मिलीं। मेरी टेबल पर ब्लैंक चेक रखे होते थे। लोग कहते थे, 'ये रही स्क्रिप्ट और ये रहा ब्लैंक चेक। आप जो चाहें वो रकम लिख दें और जो भी तारीखें आपके पास हों, हमें दे दें।'' एक ऐसे अभिनेता के लिए जिसने वर्षों तक काम की तलाश में बिताए हों, यह स्थिति एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करने का मौका हो सकती थी। हालांकि, नवाजुद्दीन ने अचानक मिली इस लोकप्रियता को अपने फैसलों पर हावी नहीं होने दिया।

### क्यों ठुकराए ऑफर

सैकड़ों स्क्रिप्ट्स पर विचार करने और अपनी फीस खुद तय करने की आजादी मिलने के बावजूद, उन्होंने उन सभी को ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें कहानी या कंटेंट पसंद नहीं आया। अभिनेता ने कहा, 'मैंने उनमें से एक भी स्क्रिप्ट नहीं चुनी क्योंकि मुझे कोई भी पसंद नहीं आई। मैंने तय किया कि मैं सही स्क्रिप्ट का इंतजार करूंगा।'

### नहीं करना पड़ा इंतजार

उन्होंने याद करते हुए कहा, 'मुझे काम के लिए वर्षों तक इंतजार करने की आदत हो गई थी, इसलिए मैंने सोचा कि जल्दबाजी में कुछ साइन करने के बजाय मैं दो-तीन साल और इंतजार कर सकता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'भगवान की कृपा से, मुझे ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा, क्योंकि जल्द ही मुझे कुछ बहुत अच्छी फिल्में मिलने लगीं।'

## 'वो फिर कभी दिखा नहीं' के लिए साथ आए नवाजुद्दीन और तिग्मांशु धूलिया

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और तिग्मांशु धूलिया एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। दोनों ने इससे पहले कई फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन इस बार वे दर्शकों के लिए कुछ खास ला रहे हैं। तिग्मांशु के निर्देशन में बनने वाली यह फिल्म एक म्यूजिकल थ्रिलर बताई जा रही है, जिसका नाम 'वो फिर कभी दिखा नहीं' है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' यह फिल्म मशहूर कवि और लेखक उदय प्रकाश की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी पर आधारित है। फिल्म की कहानी और किरदारों से जुड़ी ज्यादातर जानकारी फिलहाल गुप्त रखी गई है। खबर यह भी है कि फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है।'